आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 56 | उज्जैन, गुरूवार 16 जनवरी 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

प्रदेश को गरीबी मुक्त बनाने गरीब कल्याण मिशन के क्रियान्वयन की स्वीकृति

डायल-100 सेवा के द्वितीय चरण के संचालन के लिए 1565 करोड़ रूपये की स्वीकृति

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में बुधवार को मंत्रि-परिषद की बैठक मंत्रालय में हुई। प्रदेश को वर्ष 2028 तक गरीबी मुक्त बनाने का महत्वाकांक्षी निर्णायक कदम उठाते हुए मंत्रि-परिषद ने गरीब कल्याण मिशन के क्रियान्वयन की स्वीकृति दी। मिशन का उद्देश्य राज्य के गरीब और वंचित वर्गों का आर्थिक उत्थान करते हुये उनकी आय को न्यूनतम आय के स्तर तक लाना है। गरीब कल्याण मिशन संयुक्त रूप से पंचायत एवं ग्रामीण विकास और नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा अन्य विभागों के सहयोग से क्रियान्वित किया जायेगा।

गरीब कल्याण मिशन मुख्यतः तीन घटकों यथा बहु-आयामी गरीबी इण्डेक्स में सुधार, आजीविका सुदृढ़ीकरण और विद्यमान संगठनों के सशक्तिकरण पर केन्द्रित है। बहु आयामी गरीबी इण्डेक्स के मुख्य बिन्दु महिलाओं और बच्चों का पोषण सुनिश्चित करना, शिशु मृत्यु दर कम करना, गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य सुनिश्चित करना, माध्यमिक शिक्षा सुनिश्चित करना, माध्यमिक कक्षा तक के छात्रों की स्कूल में उपस्थिति, भोजन पकाने के लिए समुचित ईंधन उपलब्धता, स्वच्छता, पेयजल उपलब्धता, विद्युत कनेक्शन, आवास निर्माण, परिवारों के पास संसाधन उपलब्धता, बैंक खाता की उपलब्धता के साथ वित्तीय समावेश में सुधार किया जायेगा।

गरीब कल्याण मिशन-2028, स्थानीय समुदाय के सशक्तिकरण के माध्यम से वर्तमान शासकीय योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुये राज्य की जनता को आत्मनिर्भरता और समृद्धि के पथ पर अग्रसर करने में सहायक सिद्ध होगा।

राष्ट्र की संप्रभुता के लिए सेना की अटूट प्रतिबद्धता प्रेरक, सेना दिवस पर राष्ट्रपति और पीएम ने दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में हर साल 15 जनवरी को थल सेना दिवस मनाया जाता है। यह दिन भारतीय थल सेना के जवानों के बलिदान और देश सेवा के प्रति समर्पण को याद करने का दिन होता है। इस मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को सेना दिवस पर भारतीय सेना के कर्मियों, पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को शुभकामनाएं दीं।

राष्ट्रपति ने कहा कि देश की संप्रभुता की रक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने की उनकी अटूट प्रतिबद्धता सभी के लिए प्रेरणा का काम करती है।

राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट किया। उन्होंने कहा, मातृभूमि की सेवा में आपके द्वारा दिए गए अनगिनत बलिदानों को राष्ट्र कृतज्ञता से याद करता है।

सेना दिवस पर मैं भारतीय सेना के कर्मियों, पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को शुभकामनाएं देता हूं। राष्ट्र की संप्रभुता की रक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आपकी अटूट प्रतिबद्धता सभी के लिए प्रेरक है।

प्रधानमंत्री मोदी ने भी सेना दिवस पर भारतीय सेना के कर्मियों, पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को शुभकामनाएं दीं।

पीएम मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार सशस्त्र बलों और उनके परिवारों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है।

ब्रैड पिट ने की विदेशी महिला से सात करोड़ की ठगी, इंस्टाग्राम पर बात करते-करते खाली कर दिया बैंक अकाउंट

नई दिल्ली (एजेंसी)। हॉलीवुड के मशहूर अभिनेता ब्रैड पिट की तस्वीरों और नाम का इस्तेमाल करके साइबर अपराधी ने एक फ्रांसीसी महिला एन्ने से आठ लाख यूरो (7.12 करोड़ रुपये) ठग लिए। इंस्टाग्राम के जरिये पहले मीठी-मीठी बातों से उसने एन्ने को भरोसे में लिया।

ठग ने अस्पताल में भर्ती होने की कही बात- खुद को अस्पताल में भर्ती बताते हुए उसने बताया कि एंजेलिना जॉली से तलाक के मामले के कारण अपना बैंक खाता नहीं चला पा रहा है और इलाज के लिए पैसों की जरूरत है। एन्ने (53) ने एक न्यूज चैनल टीएफ1 को इसकी जानकारी दी।

एन्ने के अनुसार, उसे ब्रैड पिट की मां जेन एट्टा पिट के नाम से बने एक इंस्टाग्राम अकाउंट से मैसेज मिला। अगले दिन उसके पास स्वयं को ब्रैड पिट बताने वाले एक अकाउंट से मैसेज मिला और दोनों में बातचीत शुरू हो गई। जल्द ही दोनों के बीच दोस्ती हो गई।

ब्रैड पिट बनकर महिला को भेजी शायरियां - एक करोड़पति की पत्नी एन्ने का पारिवारिक जीवन अच्छा नहीं चल रहा था और पिट से उसे खूबसूरत कविताएं और प्रेम संदेश मिलने लगे।

गलवान में जो हुआ वो... आर्मी चीफ ने चीनी सीमा को लेकर दिया अहम बयान; बोले- दोबारा ना हो ऐसी घटना

नई दिल्ली (एजेंसी)। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने बुधवार को कहा कि उत्तरी सीमा पर स्थिति स्थिर बनी हुई है, लेकिन सेंसिटिव भी है। उन्होंने कहा कि गलवान में जो कुछ भी हुआ, ऐसी घटना दोबारा नहीं होनी चाहिए।

सेना प्रमुख ने कहा कि सेना किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार और समर्थ है। 77वें सेना दिवस पर अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि उत्तरी सीमा पर आधुनिक उपकरण और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे के विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है।

गलवान की झड़प पर बोले- आर्मी चीफ ने कहा कि हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि गलवान में जो कुछ किया गया, वह दोहराया न जाए। बता दें कि भारत और चीन के बीच पूर्वी लद्दाख में सैन्य गतिरोध मई 2020 में शुरू हुआ था।

उसी साल जून में गलवान घाटी में एक घातक झड़प हुई। जिसके परिणामस्वरूप दोनों देशों के बीच संबंधों में गंभीर तनाव आ गया।

सीमाओं की बताई स्थिति- उत्तरी सीमा पर स्थिति के बारे में एक सवाल पर उन्होंने कहा, सीमाएं सुरक्षित हैं, क्योंकि सेना आवश्यक तैनाती के साथ वहां बैठी है। भारत और चीन के बीच हाल ही में पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गश्त करने और सैनिकों को हटाने पर एक समझौता हुआ था।

यह कदम गलवान घाटी में हुई झड़प के बाद से पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर तनाव कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है, जो दशकों में दोनों पक्षों के बीच सबसे गंभीर सैन्य संघर्ष था।

अयोध्या से सीधे जा पाएंगे हनुमान के जन्मस्थान, श्रीराम जन्मभूमि से अंजनाद्रि तक रेल लाइन का प्रस्ताव

नई दिल्ली (एजेंसी)। रेल राज्य मंत्री वी.सोमन्ना का कहना है कि केंद्र सरकार भगवान हनुमान के जन्मस्थान अंजनाद्री से भगवान राम की अयोध्या को सीधे रेल मार्ग से जोड़ने के प्रस्ताव पर विचार कर रही है। कर्नाटक सरकार का भी कहना है कि अंजनाद्री पर्वत को एक तीर्थस्थल के रूप में विकसित किया जाएगा और यहां एक केंद्र स्थापित कर श्रद्धालुओं को हर प्रकार की सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी।

अंजनाद्री और अयोध्या को एक सीधी रेल लाइन का प्रस्ताव- कोप्पल जिले के कुस्तगी में एक रेलवे ब्रिज का उद्घाटन करने के दौरान मंगलवार को केंद्रीय मंत्री सोमन्ना ने घोषणा की कि उन्हें अंजनाद्री और अयोध्या को एक सीधी रेल लाइन से जोड़ने का प्रस्ताव मिला है। वह इस प्रस्ताव को परख रहे हैं। इन दोनों तीर्थस्थलों के बीच रेल लाइन बिछाने पर विचार किया जा रहा है।

अंजनाद्री पर्वत हनुमान जी की जन्मस्थली है- उल्लेखनीय है कि अंजनाद्री पर्वत हनुमान जी की जन्मस्थली है और वह प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्थल हम्पी के नजदीक स्थित है। अंजनाद्री सात पर्वतों की एक श्रृंखला है जिसकी एक चोटी पर हनुमान जी का एक मंदिर स्थित है। उस मंदिर में उनकी पत्थर की एक प्रतिमा स्थापित है। यहां पर भगवान राम और माता सीता का भी एक मंदिर है। हनुमान जी की माता अंजनि का भी एक मंदिर स्थित है। पुराणों में इस स्थान का नाम किष्किंधा बताया गया है।

स्पेस की दुनिया में होगा कमाल, कॉमर्शियल सैटेलाइट लॉन्च करने को तैयार भारतीय स्टार्टअप कंपनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पृथ्वी की परिक्रमा करने वाली पांच सेमी जितनी छोटी वस्तुओं की निगरानी के लिए बेंगलुरु की स्टार्टअप कंपनी दिगंतारा दुनिया की पहली कॉमर्शियल सैटेलाइट लॉन्च करने के लिए तैयार है। दिगंतरा का स्पेस कैमरा फार आब्जेक्ट ट्रैकिंग (एससीओटी) पांच सेमी जितनी छोटी वस्तुओं को ट्रैक करने में सक्षम होगा। बाहरी अंतरिक्ष की निगरानी अंतरिक्ष यान की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि पृथ्वी के चारों ओर की कक्षाएं उपग्रहों के साथ-साथ अंतरिक्ष मलबे से भरी हुई हैं।

भारत किसी सीमा में बंधा भूमि का टुकड़ा नहीं, पीएम मोदी बोले- देश को समझना है तो...

नई दिल्ली (एजेंसी)। बुधवार को प्रधानमंत्री मोदी ने नवी मुंबई में इस्कॉन के श्री श्री राधा मदनमोहनजी मंदिर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर पीएम मोदी ने कहा कि आज ज्ञान और भक्ति की इस महान धरती पर इस्कॉन के प्रयासों से श्री श्री राधा मदनमोहन जी मंदिर का उद्घाटन हो रहा है। मेरा सौभाग्य है कि मुझे ऐसे अलौकिक अनुष्ठान में अपनी भूमिका निभाने का पुण्य प्राप्त हुआ है।

अध्यात्म और ज्ञान की परंपरा के दर्शन- पीएम मोदी ने कहा कि मैं अभी देख रहा था कि श्री श्री राधा मदनमोहन जी मंदिर परिषद की जो रूपरेखा है, इस मंदिर के पीछे जो विचार है, इसका जो स्वरूप है, उसमें अध्यात्म और ज्ञान की सम्पूर्ण परंपरा के दर्शन होते हैं। मंदिर में ईश्वर के विविध स्वरूपों के दर्शन होते हैं। मुझे विश्वास है कि ये मंदिर परिसर आस्था के साथ-साथ भारत की चेतना को भी समृद्ध करने का एक पुण्य केंद्र बनेगा।

पीएम ने किया गोपालकृष्ण गोस्वामी महाराज का जिक्र- प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मैं इस पुनीत कार्य के लिए इस्कॉन के सभी संतों और सदस्यों को और महाराष्ट्र के लोगों को बहुत-बहुत बधाई देता हूं। आज इस मौके पर मुझे परम श्रद्धेय गोपालकृष्ण गोस्वामी महाराज का भावुक स्मरण भी हो रहा है। इस प्रोजेक्ट में उनका विजन जुड़ा हुआ है। भगवान श्रीकृष्ण के प्रति उनकी अगाध भक्ति का आशीर्वाद जुड़ा हुआ है। आज वो भौतिक शरीर से भले ही यहां न हो, लेकिन उनकी आध्यात्मिक उपस्थिति हम सब महसूस कर रहे हैं।

जनसामान्य की चेतना से जोड़ने का अनुष्ठान - पीएम मोदी ने कहा कि श्रील प्रभुपाद स्वामी ने उस समय वेद-वेदांत और गीता के महत्व को आगे बढ़ाया जब देश गुलामी की बेड़ियों में जकड़ा था। उन्होंने भक्ति वेदांत को जनसामान्य की चेतना से जोड़ने का अनुष्ठान किया। आज दुनिया के हर कोने में करोड़ों लोगों को उनकी तपस्या का प्रसाद मिल रहा है। श्रील प्रभुपाद स्वामी की सक्रियता, उनके प्रयास आज भी हमें प्रेरित करते हैं।

पीएम मोदी बोले- भारत किसी सीमा में नहीं बंधा- प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत केवल भौगोलिक सीमाओं में बंधा भूमि का एक टुकड़ा मात्र नहीं है। भारत एक जीवंत धरती है, एक जीवंत संस्कृति है और इस संस्कृति की चेतना है- यहां का आध्यात्म! इसलिए, यदि भारत को समझना है, तो हमें पहले आध्यात्म को आत्मसात करना होता है।

अपनों की ही बत्ती गुल क्यों रहा यूक्रेन? लोगों को भी दे डाली चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस और यूक्रेन की बीच युद्ध और भी भयावह हो चुकी है। मंगलवार को यूक्रेन ने रूस पर 200 से ज्यादा ड्रोन हमले किए। इसके जवाब में रूस ने यूक्रेन पर 80 ड्रोन दागे। यूक्रेन के हर हमलों का रूस करारा जवाब दे रहा है।

रूस के हमलों से बचने के लिए वोलोदिमीर जेलेंस्की सरकार ने बिजली कटौती करने का फैसला किया है। यूक्रेन के कई शहरों में बिजली आपूर्ति ठप की जा रही है ताकि रूस यूक्रेन के लोगों को निशाना न बनाएं।

घर से बाहर न निकलें लोग- यूक्रेन सरकार - हरमन हालुशचेंको ने फेसबुक पर लिखा, दुश्मन यूक्रेन वासियों को आतंकित करना जारी रख रहा है। इसलिए यूक्रेन के लोग घर में ही रहें। वहीं, सरकार द्वारा जारी की जाने वाली एडवाइजरी का पालन करें। ऊर्जा कंपनी उक्रेनगों ने खार्किव, सुमी, पोल्टावा, जपोरिजिया, निप्रॉपेट्रोस और किरोवोह्रद क्षेत्रों में आपातकालीन बिजली कटौती की सूचना दी गई है।

यूक्रेन पर क्रूज मिसाइलें दाग रहा रूस- शहर के मेयर एंड्री सदोवी ने कहा कि रूसी सेना ने बुधवार तड़के पश्चिमी ल्वीव क्षेत्र में ऊर्जा बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर मिसाइल हमले किए। उन्होंने कहा, सुबह के हमले के दौरान क्षेत्र में दुश्मन की क्रूज मिसाइलें दर्ज की गईं। किसी के हताहत होने या क्षति की सूचना नहीं मिली। यूक्रेन की वायुसेना ने राष्ट्रव्यापी हवाई हमले की चेतावनी जारी की है।

ट्रंप की पहल का अध्ययन करेगा रूस- रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने मंगलवार को कहा कि उनका देश अगले सप्ताह अमेरिका के राष्ट्रपति पद की शपथ लेने जा रहे डोनाल्ड ट्रंप की यूक्रेन पर पहल का अध्ययन करने के लिए तैयार है। उन्होंने यूक्रेन पर ट्रंप के रुख को लेकर उनकी प्रशंसा भी की है।

जबकि पुतिन के सलाहकार निकोलई पेत्रुशेव ने कहा कि यूक्रेन को लेकर वार्ता में केवल रूस और अमेरिका को शामिल होना चाहिए।इससे पहले शुक्रवार को रूसी राष्ट्रपति भवन क्रेमलिन ने कहा था कि मास्को पुतिन और ट्रंप के बीच बैठक के लिए राजी है। हालांकि इस बारे में कोई ठोस कदम 20 जनवरी को ट्रंप के शपथ ग्रहण के बाद ही उठाया जा सकता है। जबकि इससे एक दिन पहले ट्रंप ने कहा था कि उनके और पुतिन के बीच मुलाकात की योजना बनाई जा रही है।

अग्निकांड पर दुश्मनी भुलाकर ईरान ने की मदद की पेशकश, क्या आग के बहाने बढ़ेगी रिश्तों में करीबी?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के कैलिफोर्निया स्टेट के लॉस एंजेलिस में धधकी रही आग बुझने का नाम नहीं ले रही है। इस आग से अमेरिका को काफी नुकसान हुआ है। इसी बीच अमेरिका में भीषण अग्निकांड के बाद कई देशों ने अमेरिका को मदद की पेशकश की है। मदद करने वाले देशों में अमेरिका का सबसे बड़ा दुश्मन ईरान भी शामिल है। अग्निकांड की विभीषिका का देखते हुए ईरान ने दुश्मनी भुलाकर अमेरिका को मदद के लिए हाथ बढ़ाया है।

एंजेलिस में आग से प्रभावितों के लिए मानवीय सहायता और फायर फाइटर्स के साथ

तेहरान सरकर ने खासतौर पर लॉस् ही अन्य सहायता भेजने की पेशकश की है। स्पेननिश मीडिया –द डिप्लोमेट इन स्पेन के मुताबिक स्पेन में ईरानी दूतावास ने बताया कि ईरान ने सहायता के लिए अमेरिका के लिए हाथ आगे बढ़ाया है। ईरान की सरकार के प्रवक्ता ने इस संबंध में बताया कि तेहरान सरकार ने आग बुझाने के लिए तुरंत सहायता भेजने की इच्छा जताई है।

कई देशों से मिल रही आग बुझाने के लिए मदद- लॉस एंजेलिस की आग अभी भी बुझने का नाम नहीं ले रही है। आग के इस तांडव से अब तक 25 से ज्यादा लोगों की मौत की खबर है। वहीं 12 हजार से अधिक इमारतें जलकर खाक हो चुकी हैं। लाखों लोग अग्निकांड से प्रभावित होकर विस्थापित हो गए हैं। 40 हजार से ज्यादा एकड़ जमीन आग से झुलस गई है।

कंगाल पाकिस्तान हो गया मालामाल! 32 हजार किलो सोना मिलने का दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में सोने का विशाल भंडार मिलने का दावा किया गया है। प्रांतीय सरकार ने इसका मूल्य 700 अरब पाकिस्तानी रुपया बताया है। पंजाब के खदान और खनिज मंत्री सरदार शेर अली गोरचानी ने बताया कि हमने प्रांत के अटक जिले में 28 लाख तोला सोने का भंडार खोज निकाला है। इसके लिए पाकिस्तान भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने पिछले वर्ष अध्ययन शुरू किया था।

पाकिस्तान, बांग्लादेश रक्षा सहयोग को करेंगे मजबूत- बांग्लादेश में शेख हसीना की अगुआई वाली सरकार के पतन के बाद पाकिस्तान की इस देश के साथ नजदीकियां बढ़ रही हैं। इसी कड़ी में दोनों देशों ने मंगलवार को अपने रक्षा संबंधों को मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की। यह घटनाक्रम ऐसे समय हो रहा, जब भारत और बांग्लादेश के संबंधों में तनाव गहराता जा रहा है।

दोनों देशों ने द्विपक्षीय सैन्य सहयोग बढ़ाने की वकालत की- बांग्लादेश के सशस्त्र बल प्रभाग के प्रधान स्टाफ अधिकारी (पीएसओ) लेफ्टिनेंट जनरल एसएम कमर-उल-हसन की पाकिस्तान यात्रा के दौरान यह कदम उठाया गया।

गाजा में थम जाएगा युद्ध! हमास ने सीजफायर का किया एलान, इजरायल पर टिकी दुनिया की निगाहें

नई दिल्ली (एजेंसी)। गाजा में युद्धविराम के लिए समझौते के मसौदे को फलस्तीनी संगठन हमास ने स्वीकार कर लिया है। अब इजरायल के रुख का इंतजार है। अगर इजरायल सरकार ने समझौते का प्रारूप को स्वीकार कर लिया तो युद्धविराम कुछ घंटे में प्रभावी हो सकता है और बंधकों व कैदियों की रिहाई की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

इजरायल ने नहीं लिया है अभी अंतिम निर्णय - प्रतिक्रिया देने में आमतौर पर संयम बरतने वाले कतर ने कहा है कि समझौते को लेकर दोनों पक्ष सबसे नजदीक हैं। मिस्त्र और हमास के अधिकारियों ने समझौते को फलस्तीनी संगठन द्वारा स्वीकार किए जाने की पुष्टि की है। जबकि इजरायली शीर्ष अधिकारी ने कहा, उनकी सरकार में मसौदे की स्वीकृति को लेकर सकारात्मक रुख है लेकिन अंतिम निर्णय होना अभी बाकी है।

युद्धविराम की क्रेडिट लेना चाहते बाइडन- इजरायली कैबिनेट के विचार के बाद ही समझौते के प्रारूप को स्वीकार या अस्वीकार करने की घोषणा की जाएगी। अमेरिका, मिस्त्र और कतर बीते 15 महीनों से चल रहे इस युद्ध को रुकवाने के प्रयास में लगे हैं।

शेख हसीना की भतीजी ने ब्रिटेन सरकार में मंत्री पद से दिया इस्तीफा, ट्यूलिप सिद्दीक पर युनुस सरकार ने उठाए थे सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश की अपदस्थ पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की भतीजी और ब्रिटेन में लेबर पार्टी की सांसद ट्यूलिप सिद्दीक ने मंगलवार को ट्रेजरी मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया। पिछले दिनों बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने शेख हसीना के साथ लिंक और उनकी संपत्तियों को लेकर सवाल उठाया था जिसके बाद से ट्यूलिप सिद्दीक काफी दवाब में थीं।

बांग्लादेश सरकार ने भी सिद्दीक के अपदस्थ प्रधानमंत्री हसीना के शासन से संबंधों के बारे में गंभीर चिंता जताई और भ्रष्टाचार मामले में उनके खिलाफ जांच की मांग की थी। नोबेल शांति पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री मुहम्मद यूनुस ने कहा था कि ट्यूलिप को दी गई संपत्तियां बांग्लादेश की पूर्व सरकार की ओर अवैध रूप से उपहार दी होंगी।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने की तारीफ- वहीं, ट्यूलिप सिद्दीक के पद से इस्तीफा देने के बाद ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने मंगलवार को सांसद एम्मा रेनॉल्ड्स को ट्रेजरी मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया है। प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने ट्यूलिप के इस्तीफे पर खेद व्यक्त किया। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कहा कि उनको ट्यूलिप के खिलाफ मंत्रिस्तरीय उल्लंघनों या वित्तीय अनियमितताओं का कोई सबूत नहीं मिला है। आगे उन्होंने कहा कि ट्यूलिप सिद्दीक के सत्ता में लौटने के लिए दरवाजे खुले हुए हैं।

भारत में रह रहीं है शेख हसीना- 77 वर्षीय शेख हसीना 5 अगस्त से भारत में रह रही हैं, जब वे छात्रों के नेतृत्व में बड़े पैमाने पर हुए विरोध प्रदर्शन के बाद देश छोड़कर भाग गई थीं, जिसने उनकी 16 साल की सरकार को गिरा दिया था।

अब मेटा में भी होगी छंटनी, 3500 से ज्यादा लोगों की जाएगी नौकरी; मार्क जुकरबर्ग ने क्यों लिया फैसला?

नई दिल्ली (एजेंसी)। फेसबुक, व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम की पैरेंट कंपनी मेटा ने अपने करीब 3600 कर्मचारियों को नौकरी से निकालने का फैसला कर लिया है। कंपनी ने अपने इंटरनल मेमो में इस बात का जिक्र किया है।

इन सभी कर्मचारियों को उनकी खराब वर्क परफॉर्मेंस के कारण बाहर किया जाएगा। हालांकि इनकी जगह पर नये लोगों की हायरिंग की जाएगी। मार्क जकरबर्ग के इस फैसले से कंपनी के महज 5 फीसदी कर्मचारी ही प्रभावित होंगे।

वर्क परफॉर्मेंस के आधार पर छंटनी- सितंबर के आंकड़ों के मुताबिक, मेटा में करीब 72,400 कर्मचारी काम करते हैं। मार्क जकरबर्ग ने इस फैसले का बचाव करते हुए कहा कि बेहतर टैलेंट मिलेगा और नये लोग कंपनी से जुड़ सकेंगे।

अमेरिकी कंपनियों में परफॉर्मेंस के आधार पर छंटनी एक सामान्य प्रक्रिया है। पिछले हफ्ते माइक्रोसॉफ्ट ने भी अपने वर्कफोर्स से 1 फीसदी लोगों की छंटनी की थी। ये सभी लोग खराब परफॉर्मेंस वाली लिस्ट में शामिल थे।

रिपब्लिकन से बढ़ रही नजदीकी- मेटा में ले-ऑफ की बात डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण से कुछ दिन पहले ही सामने आई है। पिछले कुछ समय से मार्क जकरबर्ग की रिपब्लिकन नेताओं से नजदीकी बढ़ रही है।

ट्रंप के साथ डिनर मीटिंग और मेटा के पब्लिक अफेयर्स हेड के तौर पर रिपब्लिकन को शामिल करना इसी नजदीकी के कारण है।

दक्षिण कोरिया में हाई वोल्टेज ड्रामा के बाद राष्ट्रपति यून सुक योल गिरफ्तार, पुलिस और सुरक्षाकर्मियों में झड़प

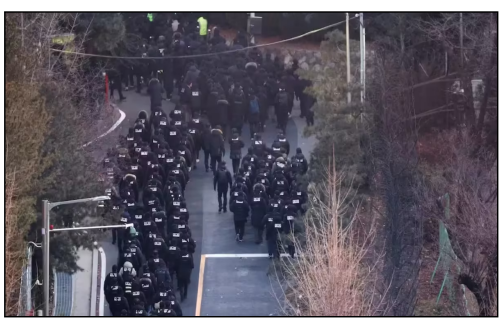

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल में राष्ट्रपति यून सुक योल के सुरक्षा गार्ड और कानून एजेंसियों के अधिकारी आमने-सामने आ गए। यह गतिरोध तब हुआ, जब जांच अधिकारी योल के आवास पर उन्हें गिरफ्तार करने गए थे।

पुलिस द्वारा योल को गिरफ्तार करने की यह दूसरी कोशिश थी। पहले भी सुरक्षा गार्डों ने उन्हें पूर्व राष्ट्रपति योल को गिरफ्तार करने से रोकने की कोशिश की थी। हालांकि गतिरोध के बावजूद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

अपने आवास पर थे योल- योल अपने हन्नाम डोंग आवास पर पिछले कई हफ्तों से छिपे हुए थे। उन्हें पकड़ने के लिए हजार से ज्यादा जांचकर्ता और पुलिस अधिकारी तैनात किए गए थे। योल ने पिछले महीने दक्षिण कोरिया में मार्शल लॉ लगाने का एलान किया था।

इसके बाद पूरे देश में उनके खिलाफ विरोध प्रदर्शन हुए थे। लोग सड़कों पर आ गए थे और विपक्ष ने संसद में घुसकर इसके खिलाफ वोटिंग की थी। बाद में योल ने इसके लिए माफी मांगी थी।

रास्ते कर दिए ब्लॉक- हाई रैंक के भ्रष्टाचार जांच अधिकारी और पुलिस की संयुक्त टीम यह तय करने की कोशिश कर रही है कि 3 दिसंबर को देश पर थोपे गए मार्शल लॉ को क्या विद्रोह के प्रयास के बराबर माना जा सकता है।

पीएम मोदी ने INS सूरत, नीलगिरी और वाघशीर देश को किए समर्पित, बोले- भारत की समुद्री विरासत के लिए बड़ा दिन

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को मुंबई के नौसेना डॉकयार्ड पहुंचे। यहां उन्होंने आईएनएस सूरत, आईएनएस नीलगिरी और आईएनएस वाघशीर को राष्ट्र को समर्पित किया। मुंबई पहुंचने पर पीएम को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

इस मौके पर नेवी चीफ एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने कहा कि ये तीनों प्लेटफॉर्म भारतीय नौसेना की क्षमता को सशक्त और प्रभावशाली बनाएंगे, जिससे हमारे सामुद्रिक हितों की सुरक्षा और भी मजबूत होगी।

मेड इन इंडिया तीनों प्लेटफॉर्म- इस खास मौके पर पीएम मोदी ने वहां मौजूद लोगों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आज भारत की समुद्री विरासत नेवी के गौरवशाली इतिहास और आत्मनिर्भर भारत अभियान के लिए भी बहुत बड़ा दिन है।

पीएम ने कहा, छत्रपति शिवाजी महाराज ने नौसेना को नया सामर्थ्य और विजन दिया था। आज उनकी इस पावन धरती पर 21वीं सदी की नेवी को सशक्त करने की तरफ हम एक बड़ा कदम उठा रहे हैं। ये पहली बार हो रहा है, जब एक डिस्ट्रॉयर, एक फ्रिगेट और एक सबमरीन को एक साथ कमीशन किया जा रहा है। गर्व की बात कि ये तीनों मेड इन इंडिया हैं।

मदुरै में जल्लीकट्टू कार्यक्रम के दौरान हादसा, एक की मौत; 75 घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु के मदुरै जिले में जल्लीकट्टू कार्यक्रम के दौरान एक हादसा हो गया। यहां एक व्यक्ति की मौत हो गई। 75 अन्य घायल बताए जा रहे हैं, जिनमें से 30 को गंभीर चोटें आईं। इसकी जानकारी मंगलवार को एक अधिकारी ने दी। अधिकारी ने आगे कहा कि प्रशासन राज्य सरकार से मृतक के परिवार के लिए सहायता की घोषणा करने का अनुरोध करेगा।

30 लोगों को गंभीर चोटें - अवनियापुरम जल्लीकट्टू पर मदुरै जिला कलेक्टर संगीता ने एएनआई को बताया कि कुल 75 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से 30 लोगों को गंभीर चोटें आई हैं और 45 लोगों को मामूली चोटें आई हैं और एक व्यक्ति की मौत हो गई है। हम सरकार से मृतक के परिवार को मुख्यमंत्री राहत कोष से सहायता प्रदान करने के लिए अपील करेंगे। अधिकारी ने कहा कि आगे होने वाले कार्यक्रमों के लिए सभी सावधानियां बरती गई हैं।

तमिलनाडु के मदुरै में विश्व प्रसिद्ध तीन दिवसीय जल्लीकट्टू कार्यक्रम मंगलवार को शुरू हुआ, जिसमें अवनियापुरम गांव में पहले दिन का आयोजन हुआ।

पीएम संग्रहालय की नई टीम में स्मृति ईरानी, शेखर कपूर शामिल; संस्कृति मंत्रालय ने जारी की अधिसूचना

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम के तहत प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं पुस्तकालय (पीएमएमएल) की सोसायटी और कार्यकारी परिषद का पुनर्गठन किया गया है। संस्था की सोसायटी में कई नए नाम शामिल हुए हैं। प्रधानमंत्री के पूर्व प्रधान सचिव नृपेंद्र मिश्रा को सोसायटी अध्यक्ष के रूप में पांच वर्ष का एक और कार्यकाल मिला है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति इरानी, नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष राजीव कुमार, सेवानिवृत्त जनरल सैयद अता हसनैन, फिल्म निर्माता शेखर कपूर और संस्कार भारती से वासुदेव कामथ को नए सदस्यों के रूप में शामिल किया गया है।

इनके अलावा 1976 में बाबरी ढांचे की खुदाई टीम का हिस्सा रहे पुरातत्वविद् केके मोहम्मद एवं राष्ट्रीय संग्रहालय के वर्तमान प्रमुख बीआर मणि को भी सोसायटी में शामिल किया गया है। जबकि नेहरू पत्रों की वापसी को लेकर हाल में चर्चा में रहे रिजवान कादरी सोसायटी में बरकरार रखे गए हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अध्यक्ष और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के उपाध्यक्ष के रूप में प्रमुख निर्णय लेने वाली कार्यकारी परिषद का विस्तार हुआ है। इसमें पहले 29 सदस्य थे, जो अब बढ़कर 34 हो गए हैं। परिषद का कार्यकाल भी पांच वर्ष होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने पूजा खेडकर को दी राहत, 14 फरवरी तक गिरफ्तारी पर लगी रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व IAS ट्रेनी पूजा खेडकर के अग्रिम जमानत वाली याचिका को लेकर सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई हुई। कोर्ट ने उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है।

जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने बुधवार को अग्रिम जमानत की मांग करने वाली खेडकर की याचिका पर दिल्ली सरकार और यूपीएससी को नोटिस जारी किया है। वही, इस मामले पर 14 जनवरी को सर्वोच्च न्यायालय अगली सुनवाई करेगी।

कोर्ट के निर्देश के मुताबिक, पूजा खेडकर को अगली सुनवाई तक गिरफ्तार नहीं किया जा सकता है। पूजा खेडकर ने यह तर्क भी दिया है कि उनका कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है और वह एक अविवाहित दिव्यांग महिला है। पूजा खेडकर पर यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा में आरक्षण का लाभ उठाने के लिए गलत जानकारी देने का आरोप है।

हाई कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए क्या कहा था?

बीते साल 23 दिसंबर को दिल्ली हाई कोर्ट ने उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया था। पूजा हाई कोर्ट ने कहा था कि खेडकर के खिलाफ प्रथम दृष्टया मजबूत मामला बनता है। वहीं, व्यवस्था में हेरफेर करने की बड़ी साजिश का पता लगाने के लिए जांच की जरूरत है।

यूपीएससी ने भी फर्जी पहचान के आधार पर सिविल सेवा परीक्षा में शामिल होने के आरोप में पूजा खेडकर के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज की। दिल्ली पुलिस ने विभिन्न अपराधों के लिए पूजा खेडकर के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। खेडकर को 12 अगस्त, 2024 को उनकी अग्रिम जमानत याचिका पर हाई कोर्ट द्वारा नोटिस जारी किए जाने पर गिरफ्तारी से अंतरिम सुरक्षा दी गई थी और इसे समय-समय पर बढ़ाया गया था।

दिल्ली-यूपी समेत 20 राज्यों में घना कोहरा, मैदानी इलाकों में बारिश तो पहाड़ों पर होगी बर्फबारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर में इस वक्त कड़ाके की सर्दी का सितम जारी है। वहीं घने कोहरे का कहर भी देखने को मिल रहा है। बुधवार को दिल्ली-एनसीआर में इतना घना कोहरा छाया हुआ है कि चारों तरफ कुछ नहीं दिखाई दे रहा। पूरी दिल्ली कोहरे की चादर में लिपटी हुई दिखाई दे रही है।

घने कोहरे के कारण विजिबिलिटी लगभग जीरो हो गई है, जिस वजह से सड़कों पर पास का भी कुछ नहीं दिख रहा है। घने कोहरे के साथ शीतलहर से भी लोग परेशान हैं। दिल्ली में ठंडी हवाओं की वजह से ठिठुरन बढ़ गई है।

मौसम विभाग ने पहले ही अनुमान जताया था कि बुधवार की सुबह ज्यादातर जगहों पर घना कोहरा रहेगा। हुआ भी वैसा ही, हर जगह जबरदस्त कोहरा छाया हुआ है। हालांकि शाम और रात के समय हल्की बारिश हो सकती है। 17 व 18 जनवरी को घना कोहरा छाया रहेगा। बुधवार अधिकतम तापमान 19 और न्यूनतम 9 डिग्री के आसपास रह सकता है।

मौसम विभाग के अनुसार, 16 जनवरी की सुबह भी बारिश हो सकती है। दिनभर बादल छाए रहने की उम्मीद है। इससे दिन में कंपकंपी और बढ़ सकती है। वहीं, अधिकतम तापमान 18 और न्यूनतम 10 डिग्री रह सकता है। 19 व 20 जनवरी को मध्यम कोहरा रहेगा।

कैसा है हिमाचल प्रदेश में मौसम- हिमाचल प्रदेश में एक बार फिर पश्चिमी विक्षोभ ने दस्तक दे दी है। यह अगले 6 दिनों तक प्रदेश में सक्रियता दिखाएगा। मौसम विभाग ने आज से अगले छह दिनों तक प्रदेश के कई भागों में पांच दिन वर्षा-हिमपात होने का पूर्वानुमान जारी किया है। मौसम विभाग ने 20 जनवरी तक मध्य और उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में कई स्थानों पर वर्षा-हिमपात की संभावना जताई है। जबकि निचले पर्वतीय-मैदानी क्षेत्रों में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है। 15, 17, 18 और 20 जनवरी को राज्य के मध्य और उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में कुछ स्थानों पर हल्की वर्षा-हिमपात की संभावना है।

श्रद्धालुओं के लिए खुशखबरी, दिल्ली–प्रयागराज के बीच रोज फ्लाइट का संचालन करेगी एयर इंडिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। एयर इंडिया ने महाकुंभ के दौरान यात्रा की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए दिल्ली और प्रयागराज के बीच अस्थायी रूप से दैनिक उड़ानों का संचालन करने की घोषणा की है। इनका संचालन 25 जनवरी से 28 फरवरी तक किया जाएगा।

25 से 31 जनवरी तक दिल्ली से उड़ान 14.10 बजे होगी और यह 15.20 पर प्रयागराज पहुंचेगी। वापसी में यह 16.00 बजे प्रयागराज से उड़ान भरकर 17.10 बजे दिल्ली पहुंचेगी। एक से 28 फरवरी तक दिल्ली से उड़ान भरने का समय 13.00 होगा और 14.10 बजे यह प्रयागराज पहुंचेगी। वापसी में 14.50 बजे प्रयागराज से उड़ान भरकर 16.00 बजे दिल्ली पहुंचेगी।

विदेशों के यात्रियों के लिए होगी सुविधा- एयरलाइन ने मंगलवार को कहा, दोनों दिशाओं में दिन के समय प्रस्थान से ये उड़ानें दिल्ली के रास्ते भारत के विभिन्न हिस्सों के साथ-साथ उत्तरी अमेरिका, यूरोप, आस्ट्रेलिया और दक्षिण पूर्व एशिया के कई देशों से आने-जाने वाले लोगों को कनेक्टिविटी प्रदान करेंगी। गौरतलब है कि पूर्व में स्पाइसजेट ने भी महाकुंभ के मद्देनजर प्रयागराज के लिए विशेष उड़ानों की घोषणा की थी। जबकि इंडिगो और अकासा एयर भी विभिन्न शहरों से प्रयागराज के लिए उड़ानें संचालित करती हैं।

संगमनगरी के विमान सेवा के इतिहास में मकर संक्रांति का दिन कीर्तिमान बनाने वाला रहा। वर्ष 1919 से शुरू हुई प्रयागराज की हवाई सेवा में नया अध्याय जुड़ा और 106 साल बाद बमरौली सिविल एयरपोर्ट पर एक ही दिन में 38 विमानों से 4891 यात्रियों का आवागमन हुआ। दो चार्टर्ड जहाज आए, जबकि तीन ने उड़ान भरी। मंगलवार को इंडिगो एयरलाइंस की सर्वाधिक 16 उड़ानें रहीं। एलाइंस एयर और स्पाइस जेट की 10-10 व अकासा एयर की दो उड़ानें रहीं। प्रयागराज एयरपोर्ट पर रात्रिकालीन विमान सेवा शुरू होने के बाद यह संख्या बढ़ी है, इससे पहले 13 जनवरी को पौष पूर्णिमा पर एयरपोर्ट में 34 विमानों से 4252 यात्रियों का आवागमन हुआ था।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

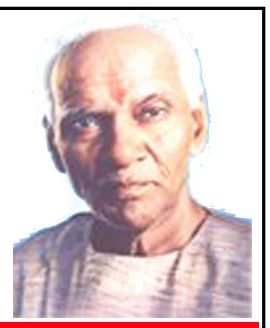

विक्रम संवत 2079 माघ कृष्ण तृतीया

संपादकीय

वैश्विक अर्थिक परिदृश्य में मध्यम आय जाल की चिंता...

विश्व बैंक द्वारा जारी विश्व विकास रपट 2024 वैश्विक अर्थिक परिदृश्य में मध्यम आय जाल की चिंता तथा इससे निकलने के उपाय सुझाती है। आर्थिक विकास के महत्त्वाकांक्षी लक्ष्य के बावजूद पिछले सैंतीस वर्षों के बाद मात्र चौंतीस देशों को मध्यम आय जाल बाहर निकलने में कामयाबी मिल सकी है। आज दुनिया भर की लगभग छह अरब आबादी वाले 108 देश मध्यम आय जाल नकी जकड़ में हैं, जहां आर्थिक विकास दर अपेक्षाकृत कमजोर है। वहां मंदी बार-बार पलटती रही है। बढ़ती वैश्विक भू-राजनीतिक और पर्यावरणीय चुनौतियों के कारण तीव्र आर्थिक विकास में दिक्कतें हैं। इसलिए मध्यम-आय देशों को विशेष प्रयास करने होंगे। विकसित भारत की संकल्पना के सम्मुख भी मध्यम- आय जाल चुनौती है, जिससे भारत को बचना होगा।

÷विश्व बैंक, वर्ष 1987 से वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं के चार वर्गों उच्च आय, उच्च-मध्यम आय, निम्न मध्यम आय तथा निम्न आय में विभाजन करता रहा है। सैंतीस वर्षों बाद, उच्च आय वाले देशों की संख्या 41 से बढ़ कर 86 गई, जिनकी वैश्विक आबादी तथा जीडीपी में हिस्सेदारी क्रमशः 16 और 60 फीसद है। निम्न आय वाले देशों की संख्या 49 से कर 26 रह जाने के बाद वैश्विक आबादी तथा जीडीपी में उनकी हिस्सेदारी क्रमशः नौ फीसद और 0.6 फीसद रह गई। दुनिया की लगभग तीन चौथाई आबादी तथा जीडीपी में 38 फीसद हिस्सा रखने वाले मध्यम आय देशों की संख्या 74 से बढ़ कर 108 हो गई। मध्य-आय देशों में 1970 के दशक से निरंतर प्रति व्यक्ति आय अमेरिका के दसवें हिस्से से भी कम रही है। किसी देश की प्रति व्यक्ति आय अमेरिका की प्रति व्यक्ति आय के 11 फीसद तक पहुंचने के बाद व्यवस्थागत दिक्कतों के कारण मध्यम आय जाल में फंस जाती है।

निम्न आय देश निवेश को निर्देशित कर तीव्र विकास दर हासिल करते हैं। मध्यम-आय अर्थव्यवस्था वाले देशों में बढ़ते ऋणभार बढ़ता संरक्षणवाद, भू- - राजनीतिक तनाव, विदेशी व्यापार तथा निवेश में गिरावट जैसे कारण सुस्त आय वृद्धि के साथ-साथ आर्थिक दुश्वारियां बढ़ा रहे हैं। निजी निवेश के साथ-साथ सार्वजनिक निवेश भी घटे हैं, लोकलुभावन वादों वाली सरकारों के सामने आर्थिक गुंजाइशें भी कम हैं। मगर मध्यम आय देश आज भी भी निवेश बढ़ाने की पुरानी तथा परंपरागत रणनीतियों पर ही भरोसा बनाए हुए हैं। पूंजी निवेश विकास रणनीति निम्न आय देशों की अपेक्षा मध्यम आय देशों में कम ही कामयाब हैं।

मध्यम आय देशों में उच्च आय अर्थव्यवस्था बनने की महत्त्वाकांक्षा स्वाभाविक है। मध्यम-आय जाल से बचने के लिए विश्व विकास रपट तीन कारकों की पहचान करती है- निवेश, आधुनिक तकनीक का प्रसार तथा नवाचार निम्न आय अर्थव्यवस्थाएं निवेश प्रेरित नीतियों पर ध्यान केंद्रित करती हैं। मध्यम आय अर्थव्यवस्थाओं को उच्च आय स्तर प्राप्त र उसे बरकरार रखने एवं आर्थिक संरचनाएं विकसित करने के लिए विकास क्रम के आधार पर उत्तरोत्तर दो मिश्रित नीति संक्रमणों से गुजरना होगा।

भारत जैसे मध्यम आय देशों को संरचनात्मक दक्षता के सतही तथा परंपरागत उपायों जैसे उद्यम आकार, आय असमानता तथा ऊर्जा स्रोतों की अपेक्षा पूंजी, श्रम तथा ऊर्जा के बेहतर उपयोग के साथ दक्षता पर भरोसा करना होगा। इनको मूल्य संवर्द्धन, सामाजिक आर्थिक गतिशीलता और कम कार्बन उत्सर्जन तकनीक पर ध्यान देने की आवश्यकता होगी।

मध्यम आय देशों में बड़े निगम, सार्वजनिक उद्यम और प्रभावी उद्यमिता उपयोगी हो सकते हैं। पूंजी के कुशल उपयोग के लिए लघु तथा मध्यम उद्यमों के सम्मुख बाधाएं पैदा करने तथा बड़े उद्यमों को परेशान करने से बचना होगा।

रामनरेश त्रिपाठी

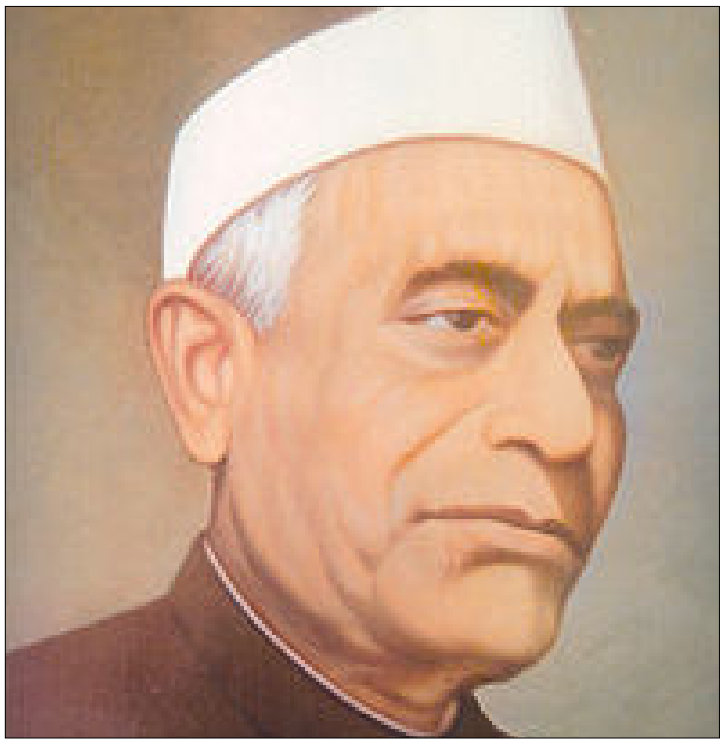

रामनरेश त्रिपाठी प्राक्छायावादी युग के महत्त्वपूर्ण कवि थे, जिन्होंने राष्ट्रप्रेम की कविताएँ भी लिखीं। इन्होंने कविता के अलावा उपन्यास, नाटक, आलोचना, हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास तथा बालोपयोगी पुस्तकें भी लिखीं। इनकी मुख्य काव्य कृतियाँ हैं- मिलन, पथिक, स्वप्न तथा मानसी। रामनरेश त्रिपाठी ने लोक-गीतों के चयन के लिए कश्मीर से कन्याकुमारी और सौराष्ट्र से गुवाहाटी तक सारे देश का भ्रमण किया। स्वप्न पर इन्हें हिंदुस्तान अकादमी का पुरस्कार मिला।

जीवन परिचय

हे प्रभो! आनन्ददाता ज्ञान हमको दीजिए जैसा प्रेरणादायी गीत रचकर, प्रार्थना के रूप में स्कूलों में छात्रों व शिक्षकों की वाणी में बसे, महाकवि पंडित रामनरेश त्रिपाठी साहित्य के आकाश के चमकीले नक्षत्र थे। रामनरेश त्रिपाठी का जन्म ज़िला जौनपुर के कोइरीपुर नामक गाँव में 4 मार्च, सन् 1881 ई. में एक कृषक परिवार में हुआ था। उनके पिता पंडित रामदत्त त्रिपाठी परम धर्म व सदाचार परायण ब्राह्मण थे। पंडित रामदत्त त्रिपाठी भारतीय सेना में सूबेदार के पद पर रह चुके थे, उनका रक्त पंडित रामनरेश त्रिपाठी की रगों में धर्मनिष्ठा, कर्तव्यनिष्ठा व राष्ट्रभक्ति की भावना के रूप में बहता था। उन्हें अपने परिवार से ही निर्भीकता और आत्मविश्वास के गुण मिले थे। पंडित त्रिपाठी की प्रारम्भिक शिक्षा गाँव के प्राइमरी स्कूल में हुई। जूनियर कक्षा उत्तीर्ण कर हाईस्कूल वह निकटवर्ती जौनपुर ज़िले में पढ़ने गए मगर वह हाईस्कूल की शिक्षा पूरी नहीं कर सके। पिता से अनबन होने पर अट्ठारह वर्ष की आयु में वह कलकत्ता चले गए।

हे प्रभो आनन्ददाता की रचना

पंडित त्रिपाठी में कविता के प्रति रुचि प्राथमिक शिक्षा प्राप्त करते समय जाग्रत हुई थी। वह कलकत्ता में संक्रामक रोग हो जाने की वजह से अधिक समय तक नहीं रह सके। वह स्वास्थ्य सुधार के लिए एक व्यक्ति की सलाह मानकर जयपुर के सीकर ठिकाना स्थित फतेहपुर ग्राम में सेठ रामवल्लभ नेवरिया के पास चले गए। यह एक संयोग ही था कि मरणासन्न स्थिति में वह अपने घर परिवार में न जाकर सुदूर अपरिचित स्थान राजपूताना के एक अजनबी परिवार में जा पहुँचे जहाँ शीघ्र ही इलाज व स्वास्थ्यप्रद जलवायु पाकर रोगमुक्त हो गए। पंडित त्रिपाठी ने सेठ रामवल्लभ के पुत्रों की शिक्षा-दीक्षा की ज़िम्मेदारी को कुशलतापूर्वक निभाया। इस दौरान उनकी लेखनी पर मां सरस्वती की मेहरबानी हुई और उन्होंने हे प्रभो! आनन्ददाता.. जैसी बेजोड़ रचना कर डाली जो आज भी अनेक स्कूलों में प्रार्थना के रूप में गाई जाती है।

साहित्य साधना की शुरुआत

पंडित त्रिपाठी की साहित्य साधना की शुरुआत फतेहपुर में होने के बाद उन्होंने उन दिनों तमाम छोटे-बड़े बालोपयोगी काव्य संग्रह, सामाजिक उपन्यास और हिन्दी महाभारत लिखे। उन्होंने हिन्दी तथा संस्कृत के सम्पूर्ण साहित्य का गहन अध्ययन किया। पंडित त्रिपाठी ज्ञान एवं अनुभव की संचित पूंजी लेकर वर्ष 1915 में पुण्यतीर्थ एवं ज्ञानतीर्थ प्रयाग गए और उसी क्षेत्र को उन्होंने अपनी कर्मस्थली बनाया। उन्होंने थोड़ी पूंजी से प्रकाशन का व्यवसाय भी आरम्भ किया। पंडित त्रिपाठी ने गद्य और पद्य दोनों में रचनाएँ की तथा मौलिकता के नियम को ध्यान में रखकर रचनाओं को अंजाम दिया। हिन्दी जगत में वह मार्गदर्शी साहित्यकार के रूप में अवरित हुए और सारे देश में लोकप्रिय हो गए।

हिन्दी के प्रथम एवं सर्वोत्कृष्ट राष्ट्रीय खण्डकाव्य पथिक की रचना उन्होंने वर्ष 1920 में 21 दिन में की। इसके अतिरिक्त उनके प्रसिद्ध मौलिक खण्डकाव्यों में मिलन और स्वप्न भी शामिल हैं। उन्होंने बड़े परिश्रम से कविता कौमुदी के सात विशाल एवं अनुपम संग्रह-ग्रंथों का भी सम्पादन एवं प्रकाशन किया। पंडित त्रिपाठी कलम के धनी ही नहीं बल्कि कर्मशूर भी थे। महात्मा गाँधी के निर्देश पर त्रिपाठी जी हिन्दी साहित्य सम्मेलन के प्रचार मंत्री के रूप में हिन्दी जगत के दूत बनकर दक्षिण भारत गए थे। वह पक्के गांधीवादी देशभक्त और राष्ट्र सेवक थे। स्वाधीनता संग्राम और किसान आन्दोलनों में भाग लेकर वह जेल भी गए। पंडित त्रिपाठी को अपने जीवन काल में कोई राजकीय सम्मान तो नहीं मिला पर उससे भी कही ज़्यादा गौरवपद लोक सम्मान तथा अक्षय यश उन पर अवश्य बरसा।

स्वच्छन्दतावादी कवि

रामनरेश त्रिपाठी स्वच्छन्दतावादी भावधारा के कवि के रूप में प्रतिष्ठित हुए हैं। इनसे पूर्व श्रीधर पाठक ने हिन्दी कविता में स्वच्छन्दतावाद (रोमाण्टिसिज्म) को जन्म दिया था। रामनरेश त्रिपाठी ने अपनी रचनाओं द्वारा उक्त परम्परा को विकसित किया और सम्पन्न बनाया। देश प्रेम तथा राष्ट्रीयता की अनुभूतियाँ इनकी रचनाओं का मुख्य विषय रही हैं। हिन्दी कविता के मंच पर ये राष्ट्रीय भावनाओं के गायक के रूप में बहुत लोकप्रिय हुए। प्रकृति-चित्रण में भी इन्हें अदभुत सफलता प्राप्त हुई है।

काव्य कृतियाँ

इनकी चार काव्य कृतियाँ उल्लेखनीय हैं-
मिलन (1918 ई.)
पथिक (1921 ई.)
मानसी (1927 ई.)
स्वप्न (1929 ई.)। इनमें मानसी फुटकर कविताओं का संग्रह है और शेष तीनों कृतियाँ प्रेमाख्यानक खण्डकाव्य है।

खण्ड काव्य

रामनरेश त्रिपाठी ने खण्ड काव्यों की रचना के लिए किन्हीं पौराणिक अथवा ऐतिहासिक कथा सूत्रों का आश्रय नहीं लिया है, वरन् अपनी कल्पना शक्ति से मौलिक तथा मार्मिक कथाओं की सृष्टि की है। कवि द्वारा निर्मित होने के कारण इन काव्यों के चरित्र बड़े आकर्षक हैं और जीवन के साँचे में ढाले हुए जान पड़ते हैं। इन तीनों ही खण्ड काव्यों की एक सामान्य विशेषता यह है कि इनमें देशभक्ति की भावनाओं का समावेश बहुत ही सरसता के साथ किया गया है। उदाहरण के लिए स्वप्न नामक खण्ड काव्य को लिया जा सकता है। इसका नायक वसन्त नामक नवयुवक एक ओर तो अपनी प्रिया के प्रगाढ़ प्रेम में लीन रहना चाहता है, मनोरम प्रकृति के क्रोड़ में उसके साहचर्य-सुख की अभिलाषा करता है और दूसरी ओर समाज का दुख-दर्द दूर करने के लिए राष्ट्रोद्धार की भावना से आन्दोलित होता रहता है। उसके मन में इस प्रकार का अन्तर्द्वन्द बहुत समय तक चलता है। अन्ततः वह अपनी प्रिया के द्वारा प्रेरित किये जाने पर राष्ट्र प्रेम को प्राथमिकता देता है और शत्रुओं द्वारा पदाक्रान्त स्वेदश की रक्षा एवं उद्धार करने में सफल हो जाता है। इस प्रकार की भावनाओं से परिपूर्ण होने के कारण रामनरेश त्रिपाठी के काव्य बहुत दिनों तक राष्ट्रप्रेमी नवयुवकों के कण्ठहार बन हुए थे।

प्रकृति चित्रण

रामनरेश त्रिपाठी अपनी काव्य कृतियों में प्रकृति के सफल चितेरे रहे हैं। इन्होंने प्रकृति चित्रण व्यापक, विशद और स्वतंत्र रूप में किया है। इनके सहज-मनोरम प्रकृति-चित्रों में कहीं-कहीं छायावाद की झलक भी मिल जाती है। उदाहरण के लिए पथिक की दो पंक्तियाँ द्रष्टव्य हैं-

प्रति क्षण नूतन वेष बनाकर रंग-विरंग निराला।
रवि के सम्मुख थिरक रही है नभ में वारिद माला

भाषा

प्रकृति चित्र हों, या अन्यान्य प्रकार के वर्णन, सर्वत्र रामनरेश त्रिपाठी ने भाषा का बहुत ख्याल रखा है। इनके काव्यों की भाषा शुद्ध, सहज खड़ी बोली है, जो इस रूप में हिन्दी काव्य में प्रथम बार प्रयुक्त दिखाई देती है। इनमें व्याकरण तथा वाक्य-रचना सम्बन्धी त्रुटियाँ नहीं मिलतीं। इन्होंने कहीं-कहीं उर्दू के प्रचलित शब्दों और उर्दू-छन्दों का भी व्यवहार किया है-

मेरे लिए खड़ा था दुखियों के द्वार पर तू।
मैं बाट जोहता था तेरी किसी चमन में।।
बनकर किसी के आँसू मेरे लिए बहा तू।
मैं देखता तुझे था माशूक के बदन में।।

कृतियाँ

उपन्यास तथा नाटक

रामनरेश त्रिपाठी ने काव्य-रचना के अतिरिक्त उपन्यास तथा नाटक लिखे हैं, आलोचनाएँ की हैं और टीका भी। इनके तीन उपन्यास उल्लेखनीय हैं-

वोडाफोन आइडिया के शेयरों ने मचाया धमाल, दो दिन में निवेशकों की करा दी चांदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। वोडाफोन आइडिया के शेयरों ने बुधवार को भारी कारोबार के बीच इंट्रा-डे पर 11 फीसदी की तेजी के साथ 9.18 रुपये के तीन महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए। पिछले दो दिन में वोडाफोन आइडिया के शेयर में 19 फीसदी तक की उछाल आई है। यह 17 अक्टूबर, 2024 के बाद से अपने हाई लेवल पर था। हालांकि, फिर मुनाफावसूली के चलते कुछ करेक्शन हुआ। दोपहर करीब दो बजे तक वोडाफोन आइडिया के शेयर 6.30 फीसदी उछाल के साथ 8.77 पर ट्रेड कर रहे थे।

वोडाफोन आइडिया आदित्य बिड़ला ग्रुप और वोडाफोन ग्रुप की साझेदारी है। यह देश की तीसरी सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी है। कंपनी के पास एक बड़ा स्पेक्ट्रम पोर्टफोलियो है, जिसमें 17 सर्किलों में मिड-बैंड 5G स्पेक्ट्रम और 16 सर्किलों में mmWave 5G स्पेक्ट्रम शामिल है। अपने नेटवर्क प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए, Vi ने हाल ही में अपने 4G और 5G नेटवर्क को स्मार्ट और अधिक कुशल बनाने के लिए HCL Technologies की सॉफ्टवेयर बिजनेस यूनिट HCL सॉफ्टवेयर के साथ साझेदारी की है।

कारोबार मजबूत करने की कोशिश में वोडा- वोडाफोन बोर्ड की पूंजी जुटाने वाली समिति ने 9 जनवरी, 2025 को 11.28 रुपये प्रति इक्विटी शेयर (1.28 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के प्रीमियम सहित) के निर्गम मूल्य पर 10 रुपये प्रत्येक के अंकित मूल्य के 1,693 मिलियन इक्विटी शेयर, वीआई के प्रमोटरों, ओमेगा टेलीकॉम होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड (1,084.6 मिलियन इक्विटी शेयर) और उषा मार्टिन टेलीमैटिक्स लिमिटेड (608.6 मिलियन इक्विटी शेयर) को तरजीही आधार पर कुल 1,909.95 करोड़ रुपये आवंटित किए। हाल ही में टेलीकॉम टैरिफ में बढ़ोतरी से एवरेज रेवेन्यू पर यूजर में वृद्धि हुई है, लेकिन सितंबर तिमाही में वोडाफोन आइडिया का राजस्व मामूली रूप से बढ़ा। कंपनी को उम्मीद है कि टैरिफ वृद्धि का असर अगली दो तिमाहियों में ARPU और राजस्व में देखा जाना जारी रहेगा।

लगातार 8 दिन से क्रैश हो रहा यह चर्चित शेयर, 10 दिन में ही बिगड़ा माहौल

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीते कुछ दिनों से कल्याण ज्वैलर्स इंडिया के शेयर दबाव में हैं। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार को कंपनी के शेयर की कीमतों में एक बार फिर गिरावट देखी गई। इंट्रा-डे कारोबार में शेयर 10 फीसदी से ज्यादा टूटकर 522.75 रुपये के निचले स्तर पर आ गया। यह लगातार आठवां कारोबारी दिन है जब शेयर में बड़ी गिरावट देखी गई है। बता दें कि 2 जनवरी 2025 को यह शेयर 794.60 रुपये के रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गया था।

कल्याण ज्वैलर्स का बाजार मूल्य पिछले दो कैलेंडर वर्षों में दोगुना से अधिक हो गया है। कैलेंडर वर्ष 2024 में यह 116 प्रतिशत बढ़ा है। वहीं, कैलेंडर वर्ष 2023 में यह शेयर 180 प्रतिशत बढ़ गया था। इसकी तुलना में बीएसई सेंसेक्स ने कैलेंडर वर्ष 2023 में 20 फीसदी और कैलेंडर वर्ष 2024 में 9 फीसदी की बढ़त हासिल की थी।

दिसंबर 2024 तिमाही के शेयरहोल्डिंग पैटर्न डेटा के अनुसार कल्याण ज्वैलर्स के विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने कंपनी में अपनी हिस्सेदारी लगभग 1 प्रतिशत घटाकर 15.75 प्रतिशत कर दी। सितंबर तिमाही के अंत में एफपीआई के पास 16.37 फीसदी हिस्सेदारी थी। कंपनी में निवासी व्यक्तिगत शेयरधारकों की हिस्सेदारी 6.08 प्रतिशत से बढ़कर 6.47 प्रतिशत हो गई है।

थोक महंगाई ने दिया झटका, दिसंबर में आया बड़ा उछाल; पर अनाज का दाम घटने से मिली राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। गैर-खाद्य वस्तुओं, मैन्युफैक्चरिंग उत्पादों और ईंधन के दाम बढ़ने से थोक मुद्रास्फीति पिछले महीने यानी दिसंबर में बढ़कर 2.37 प्रतिशत पर पहुंच गई। हालांकि, इस दौरान खाद्य वस्तुओं की कीमतों में मामूली गिरावट आई। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति नवंबर, 2024 में 1.89 प्रतिशत थी। दिसंबर, 2023 में यह 0.86 प्रतिशत रही थी।

बता दें कि सोमवार को खुदरा मुद्रास्फीति के जारी आंकड़ों के अनुसार, खाद्य कीमतों में कमी के कारण उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति दिसंबर 2024 में चार महीने के निचले स्तर 5.22 प्रतिशत पर आ गई।आंकड़ों के अनुसार, खाद्य वस्तुओं की मुद्रास्फीति दिसंबर, 2024 में घटकर 8.47 प्रतिशत रह गई, जबकि नवंबर में यह 8.63 प्रतिशत थी।

अनाज, दाल और गेहूं की महंगाई में नरमी आई। हालांकि, सब्जियों की मुद्रास्फीति दिसंबर में मामूली बढ़कर 28.65 प्रतिशत रही। नवंबर में यह 28.57 प्रतिशत थी। आलू की महंगाई 93.20 प्रतिशत के उच्चस्तर पर बनी रही और प्याज की मुद्रास्फीति दिसंबर में बढ़कर 16.81 प्रतिशत हो गई।

तिलहन जैसी गैर-खाद्य वस्तुओं की मुद्रास्फीति दिसंबर में बढ़कर 2.46 प्रतिशत हो गई, जबकि नवंबर में इसमें 0.98 की कमी आई थी। ईंधन और बिजली की बात करें तो दिसंबर में मुद्रास्फीति घटकर 3.79 प्रतिशत हो गई जबकि नवंबर में इसमें 5.83 प्रतिशत की कमी आई थी। मैन्युफैक्चरिंग वस्तुओं की मुद्रास्फीति 2.14 प्रतिशत रही, जबकि नवंबर में यह दो प्रतिशत थी।

13 महीने में रॉकेट बनेगा टाटा का यह शेयर! एक्सपर्ट बोले- 8500 पर जाएगा भाव, कभी 7 था दाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगर आप टाटा ग्रुप के शेयर पर दांव लगाने की सोच रहे हैं तो आपके लिए काम की खबर है। टाटा के इस शेयर पर ब्रोकरेज फर्म बुलिश हैं और इसे खरीदने की सलाह दे रहे हैं। यह शेयर - ट्रेंट का है। घरेलू ब्रोकरेज एलारा सिक्योरिटीज द्वारा टाटा के स्वामित्व वाली रिटेल प्रमुख पर बाय रेटिंग दिया है। ब्रोकरेज को अगले 13 महीनों में ?8,500 के टारगेट प्राइस पर 38 प्रतिशत की संभावित बढ़ोतरी की उम्मीद है। ट्रेंट के शेयरों में बुधवार, 15 जनवरी को पांच प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी हुई और यह शेयर 6517.45 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गया।

क्या है डिटेल- टाटा समूह की सहायक कंपनी ट्रेंट भारत के खुदरा उद्योग में एक प्रमुख प्लेयर है और प्रसिद्ध ब्रांड्स जूडियो और वेस्टसाइड का मैनेजमेंट करती है। ब्रोकरेज के अनुसार, अधिक कम्पिटिशन के बावजूद जुडियो अपने साथियों से आगे बढ़ने के लिए तैयार है। एलारा सिक्योरिटीज ने कहा, जूडियो अपनी बढ़त के कारण फास्ट फैशन सेगमेंट में बड़े अंतर से मार्केट लीडर बना रहेगा। साथ ही, उम्मीद है कि वेस्टसाइड स्थिर प्रदर्शन जारी रखेगा।

कंपनी के शेयरों के हाल- ट्रेंट के शेयर पिछले पांच दिनों में 4त्न और इस साल अब तक करीबन 11 कारोबारी दिन में 10% तक टूटा है।

डॉलर के मुकाबले रुपये में गिरावट जारी रही तो महंगा हो जाएगा जरूरत का सामान, बढ़ेगी परेशानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। वैश्विक अनिश्चतता और अमेरिका में सत्ता संभालने जा रही ट्रंप सरकार की संभावित नीतियों से डॉलर के मुकाबले रुपये में लगातार गिरावट हो रही है। पिछले तीन महीनों में डॉलर के मुकाबले रुपये में तीन प्रतिशत की गिरावट हो चुकी है।

यह गिरावट कुछ और दिनों तक जारी रही तो वे सभी आइटम महंगे हो सकते हैं जिनके कच्चे माल के लिए हम आयात पर निर्भर है। वहीं, खाद्य तेल, दाल जैसे आइटम भी महंगे होंगे क्योंकि इनके लिए भी हम आयात पर निर्भर करते हैं। रुपए में गिरावट महंगाई के साथ हमारी अर्थव्यवस्था के विकास पर भी विपरीत असर डाल सकती है।

आयात बिल बढ़ा तो चालू खाते के घाटे को बढ़ाएगा- भारत एक आयात प्रधान देश है। इससे हमारा आयात बिल बढ़ेगा जो हमारे चालू खाते के घाटे को बढ़ाएगा। चालू वित्त वर्ष 2024-25 के अप्रैल-नवंबर में भारत ने 284 अरब डॉलर का निर्यात किया तो इस अवधि में 486 अरब डॉलर का आयात किया गया। पेट्रोलियम पदार्थों की 80 प्रतिशत जरूरत की पूर्ति भी हम आयात से करते हैं। रुपए में गिरावट से ये आइटम भी महंगे हो सकते हैं।

मंगलवार को एक डॉलर का मूल्य रहा 86.57 रुपए- मंगलवार को एक डॉलर का मूल्य 86.57 रुपये बताया गया, जबकि 14 दिसंबर को यह मूल्य 84.80 रुपए था। एचडीएफसी बैंक की प्रमुख अर्थशास्त्री साक्षी गुप्ता के मुताबिक रुपये में हो रही इस गिरावट से खुदरा महंगाई दर एकदम से नहीं बढ़ेगी, क्योंकि खुदरा महंगाई दर को मापने वाले बास्केट में मुख्य रूप से घरेलू स्तर पर उत्पादित वस्तुएं व सेवाएं शामिल हैं।

नवरत्न कंपनी को मिले 400 करोड़ रुपये से ज्यादा के ऑर्डर, 87 रुपये के पार पहुंचे शेयर

नई दिल्ली (एजेंसी)। नवरत्न कंपनी एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड के शेयरों में बुधवार को अच्छी तेजी आई है। एनबीसीसी के शेयर बुधवार को 3 पर्सेंट से अधिक के उछाल के साथ 87.32 रुपये पर जा पहुंचे हैं। कंपनी के शेयरों में यह तेजी कई ऑर्डर मिलने की वजह से आई है। एनबीसीसी ने अनाउंस किया है कि उसे कई ऑर्डर मिले हैं। इन ऑर्डर की टोटल वैल्यू 405 करोड़ रुपये है। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 139.90 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 56.43 रुपये है।

नवरत्न कंपनी एनबीसीसी ने बुधवार को अनाउंस किया है कि उसे 5 ऑर्डर मिले हैं। कंपनी को दिल्ली यूनिवर्सिटी के हिंदू कॉलेज के सेंटर फॉर एडवांस्ड स्टडीज की प्लानिंग, डिजाइनिंग और कंस्ट्रक्शन के लिए 151.93 करोड़ रुपये का ऑर्डर मिला है। कंपनी को उड़ीसा के बालासोर में फकीर मोहन यूनिवर्सिटी में प्लानिंग, डिजाइनिंग और डिवेलपमेंट वर्क्स के कंस्ट्रक्शन के लिए 118.64 करोड़ रुपये का ऑर्डर मिला है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

चुनाव लड़ने के लिए गांव में दबदबा दिखाना था, इसलिए पिता-पुत्र ने किया आबकारी टीम पर हमला

टीकमगढ़। अवैध शराब जब्त करने गई आबकारी टीम पर हमला करने वाले आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है, जिन आरोपितों ने एक ही परिवार के चार सदस्य हैं। वीरऊ गांव में आरोपितों ने आबकारी उपनिरीक्षक से सर्विस रिवाल्वर छीन ली थी, जो पांच कारतूस के साथ जब्त हुई और उपनिरीक्षक की वर्दी में फ्लैग लगे हुए स्टार भी बरामद किए।

बताया गया कि मुख्य आरोपित रिंकू यादव के घर पर छापामार कार्रवाई होने के बाद उसने अपनी रौब गांव में जमाने के लिए ऐसी हरकत की, जिसे आगामी पंचायती चुनाव में सरपंच का चुनाव लड़ना था और गांव में उसके परिवार का ऐसा माहौल निर्मित न हो कि उनके घर पर कार्रवाई हुई।आरोपितों ने पिता के साथ मिलकर ऐसी घटना को अंजाम दिया। दरअसल, 10 जनवरी 2025 की रात दिगौड़ा थाना क्षेत्र के वीरऊ गांव में आबकारी टीम ने अवैध शराब विक्रय की सूचना पर छापामार कार्रवाई की। जहां पर आबकारी टीम का नेतृत्व आबकारी उपनिरीक्षक विजय सिंह चंदोल कर रहे थे। इसमें एसआइ के साथ ही

अन्य बल मौजूद था।

20 क्वार्टर जब्त होने के दौरान कार्रवाई के बीच ही आरोपित की संतोष यादव की पत्नी मौके पर मिली, जिसके विरुद्ध मामला दर्ज किया जाना था।लेकिन महिला के इशारे पर परिवार के सदस्य सहित अन्य एकत्र हो गए और उन्होंने आबकारी टीम पर हमला करते हुए सर्विस रिवाल्वर छीन ली।

दिगौड़ा थाना पुलिस ने आबकारी उपनिरीक्षक की रिपोर्ट पर हत्या का प्रयास सहित लूट और अन्य बीएनएस की धाराओं में 296,309(6),132,121(1), 324(5),125,351(3) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर लिया।

इसके बाद आरोपितों की पताशाजी शुरु कर दी। जिन्होंने खोजने के लिए 7 टीमें गठित हुई और साइबर सेल की टीम सक्रिय हुई।

आरोपितों को भेजा जेल

एसडीओपी जतारा अभिषेक गौतम के नेतृत्व में टीमों को रवाना किया गया और फिर आरोपितों को साइबर सेल के साथ ही मुखबिर की सूचना पर पकड़ा गया, जहां पर पुलिस ने फिर आरोपितों से पूछताछ की।

तब बताया गया कि सरपंची का चुनाव लड़ने के लिए पिता-पुत्र धौंस जमाना चाहते थे, जिसको लेकर मामला दर्ज होने से बौखलाए आरोपितों ने हमला कर दिया था।

इसमें पुलिस ने रिंकू यादव पुत्र संतोष यादव(29), संतोष यादव पुत्र खुशीराम यादव (52), वीरवती पत्नी संतोष यादव (48), खुशीराम यादव पुत्र भैयालाल यादव(72), महेश पुत्र भैयालाल विश्वकर्मा(23) सभी निवासी वीरऊ और बृजनाथ पुत्र लालसिंह कुशवाहा निवासी मनिया (23) को पुलिस न गिफ्तार किया।

सर्विस रिवाल्वर के साथ देशी कट्टा जब्त

एसपी मनोहर सिंह मंडलोई ने बताया कि पुलिस ने आरोपितों से लूटी गई सरकारी रिवाल्वर, 5 कारतूस, बैग और दस्तावेजों के अलावा सब इंस्पेक्टर के स्टार, फ्लैग और एक 315 बोर का देशी कट्टा, दो जिंदा कारतूस और तीन लाठियां भी बरामद की हैं। इन सभी आरोपितों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेजने की कार्रवाई की गई। इसमें थाना प्रभारी नीरज लोधी, साइबर सेल प्रभारी मयंक नगाइच सहित अन्य शामिल रहे।

पीथमपुर में जहरीला कचरा जलाने के दौरान थर्ड पार्टी करेगी प्रदूषण मानकों की निगरानी

भोपाल। भोपाल गैस त्रासदी के बाद यहां यूनियन कार्बाइड परिसर से पीथमपुर भेजा गया 337 टन जहरीला कचरा जलाने के बाद प्रदूषण मानकों की निगरानी किसी तीसरी एजेंसी (थर्ड पार्टी) से कराने की तैयारी है। इसके लिए नागपुर राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (नीरी) या किसी आईआईटी का सहयोग लिया जाएगा। प्रदूषण नियंत्रण मंडल के अधिकारियों ने बताया कि थर्ड पार्टी का सहयोग इसलिए लिया जा रहा है कि प्रदूषण मानकों का स्तर पता करने में किसी तरह की कमी नहीं रह जाए।

पीथमपुर के लोग व जनप्रतिनिधि कचरा जलाने का विरोध कर रहे हैं, ऐसे में थर्ड पार्टी जांच से उन्हें भी भरोसा रहेगा।

इसके अतिरिक्त भोपाल स्थित राष्ट्रीय पर्यावरणीय स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान (नीरेह) को भी यहां शोध की जिम्मेदारी शासन की ओर से दी जा सकती है।

नीरेह पहले से ही भोपाल में दिसंबर 1984 में रिसी जहरीली गैस (एमआइसी) के प्रभावों का अध्ययन कर रहा है।

18 फरवरी के पहले हाई कोर्ट को तैयारियों की जानकारी देगी सरकार

बता दें कि हाई कोर्ट के निर्देश पर कचरा जलाया जा रहा है। पीथमपुर में रामकी एन्वायरों कंपनी के संयंत्र में कचरा जलाया जाना है। इसे जलाने का आमजन व जनप्रतिनिधि विरोध कर रहे हैं।

इसी माह कचरा पहुंचने के बाद उग्र प्रदर्शन भी हुआ। इसके बाद सरकार ने हाई कोर्ट में पूरी वस्तुस्थिति रखी थी।

इस पर कोर्ट ने छह सप्ताह का समय सरकार को दिया है। 18 फरवरी को सरकार की ओर से कोर्ट में प्रगति रिपोर्ट (एक्शन टेकेन रिपोर्ट) प्रस्तुत करनी है।

सुप्रीम कोर्ट व हाई कोर्ट का समय बर्बाद करने पर पांच रुपए लाख का जुर्माना

जबलपुर। सुप्रीम कोर्ट ने भोपाल के बैरागढ़ स्थित सड़क विकास निगम की जमीन के लिए 41 करोड़ 41 लाख रुपये हाई कोर्ट में जमा करने के निर्देश दिए थे। राशि जमा नहीं करते हुए याचिकाकर्ता ने हाई कोर्ट में लंबित याचिका वापस लेने का आग्रह किया। हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैत व न्यायमूर्ति विवेक जैन की युगलपीठ ने सुप्रीम कोर्ट व हाई कोर्ट का समय बर्बाद करने के कारण याचिकाकर्ता पर पांच लाख रुपये का जुर्माना लगा दिया। याचिकाकर्ता निखिल गांधी की ओर से वर्ष 2022 में दायर की गई, जिसमें कहा गया था कि भोपाल के बैरागढ़ में स्थित सड़क विकास निगम 6232 वर्ग मीटर जमीन के लिए उसने 29 करोड़ की बोली लगाई थी।

सबसे अधिक बोली होने के बावजूद 21 करोड़ की बोली लगाने वाले व्यक्ति को जमीन प्रदान करने का निर्णय लिया गया है। हाई कोर्ट ने याचिका की सुनवाई करते हुए नीलामी प्रक्रिया में रोक लगा दी थी। हाई कोर्ट द्वारा लगाई गई रोक के विरुद्ध सड़क विकास निगम ने सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की थी। सुप्रीम कोर्ट में निखिल गांधी ने जमीन के लिए 41 करोड़ 41 लाख का प्रस्ताव पेश किया था।सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि सामान्य परिस्थिति में कानून के अनुसार आयोजित नीलामी में न्यायालय को हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। विशिष्ट परिस्थिति में विशिष्ट उपाय होना चाहिए। हाई कोर्ट ने केवल इस बात को ध्यान में रखा है कि सार्वजनिक प्राधिकरण की संपत्ति की नीलामी में सबसे अच्छा मूल्य प्राप्त किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने प्रस्ताव को स्वीकार करते हुए उक्त राशि तीन माह में उच्च न्यायालय में जमा करने के आदेश जारी किए थे। याचिकाकर्ता ने निर्धारित अवधि में उक्त राशि जमा नहीं की।

रतलाम SP ने साइबर फ्रॉड के खिलाफ कसी कमर! 4500 फर्जी मोबाइल नंबर किए ब्लॉक

रतलाम। साइबर आपराधी मोबाइल फोन से कॉल कर कई तरह की फर्जी लिंक भेजकर और दूसरे तरीके अपनाकर लोगों को ठग रहे हैं। ऐसे मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। ठगी करने वाले फर्जी मोबाइल सिम का यूज करते हैं।

अब पुलिस ने उन मोबाइल फोन नंबरों को ब्लॉक कराने की कार्रवाई शुरू की है, जिनसे ठगी की जा रही है। पुलिस ने 4500 मोबाइल नंबरों की पहचान कर इन्हें ब्लॉक कराया है।एसपी अमित कुमार ने साइबर फ्राड के मामलों में हेल्पलाइन नंबर 7049127420 जारी किया है। हेल्पलाइन पर या साइबर सेल में प्राप्त होने वाली शिकायतों पर एनसीआरपी पोर्टल से कंप्लेन रजिस्टर कर धोखाधड़ी में यूज होने वाले मोबाइल नंबरों को ब्लॉक कराने और फर्जी बैंक खातों को फ्रिज करने की कार्रवाई की जा रही है।

फोन नंबर किए जा रहे ब्लॉक

एसपी अमित कुमार के अनुसार

साइबर फ्रॉड करने के लिए अपराधी फर्जी बैंक खाते खुलवाते हैं। फर्जी मोबाइल नंबरों का उपयोग करते हैं। मोबाइल नंबर सिम अलग-अलग राज्यों में लोगों को लालच देकर या फर्जी दस्तावेजों के आधार पर खरीदते हैं।उनका उपयोग साइबर फ्रॉड करने के लिए किया जाता है। इस प्रकार के मोबाइल नंबरों की पहचान कर उन्हें ब्लॉक कराने की कार्रवाई की जा रही है। फोन नंबर ब्लॉक कराने की कार्रवाई में साइबर सेल प्रभारी राजा तिवारी, प्रधान आरक्षक मनमोहन सिंह, हिम्मत सिंह, आरक्षक राहुल पाटीदार की सराहनीय भूमिका रही।

साइबर अवेयरनेस सेमिनार कर दी जानकारी

साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने व जागरूकता को लेकर एसपी अमित कुमार के निर्देशन व एएसपी राकेश खाखा के मार्गदर्शन में साइबर सेल टीम ने शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय सागोद रोड में साइबर अवेयरनेस सेमिनार का आयोजन किया।विद्यार्थियों को बताए बचाव के तरीके

सेमिनार में आइपीएस विक्रम अहिरवार ने विद्यार्थियों को फोन कॉल्स, व्हाट्सएप या अन्य सोशल मीडिया के माध्यम से होने वाले फ्रॉड की जानकारी देकर बचाव के तरीके बताए।

उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार के साइबर फ्रॉड का शिकार होने पर बगैर डरे अपने परिजन, शिक्षक को बताएं और नजदीकी पुलिस थाने पर संपर्क करें। फ्रॉड होने की शंका या फ्रॉड होने पर तत्काल राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग हेल्पलाइन नंबर 1930 और रतलाम पुलिस द्वारा जारी हेल्पलाइन नंबर 7049127420 पर सूचना दें।

इस दौरान विद्यार्थियों ने साइबर अपराधों से बचने, करियर में आगे बढ़ने, यूपीएससी परीक्षा पास करने के संबंध में प्रश्न किए। आइपीएस अहिरवार से प्रश्नों के जवाब देकर उन्हें मार्गदर्शन दिया।

साइबर सेल प्रभारी राजा तिवारी ने सोशल मीडिया के उपयोग, मोबाइल फोन या किसी भी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के डाटा जैसे पासवर्ड, पर्सनल फोटोज या अन्य कोई भी संवेदनशील जानकारी सुरक्षित रखने के संबंध में समझाइश दी।ये रहे मौजूद

सेमिनार में दीनदयाल नगर थाना प्रभारी रवींद्र दंडोतिया, प्रधान आरक्षक गिरीश दुबे, आरक्षक मयंक व्यास, राजपाल पडिहार, रोशन राठौर, प्राचार्य सुभाष कुमावत सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

कलेक्टर आशीष सिंह ने प्रधानमंत्री जल जीवन मिशन के बचे हुए कार्यों को इसी माह के अंत तक पूरा करने के दिए निर्देश

इंदौर। इंदौर जिले को प्रधानमंत्री जल जीवन मिशन के अंतर्गत हर घर में नल से जल वाला जिला घोषित करने की तैयारियां अंतिम दौर में है, इसके लिए तेजी से प्रयास जारी है। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने निर्देश दिए हैं कि जिले में मिशन के अंतर्गत ऐसी पंचायतें जिनमें अभी कुछ काम शेष है, उन्हें शीघ्र गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाए। योजना के क्रियान्वयन में लापरवाही और उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। श्री सिंह ने बचे हुए कार्यों को इसी माह के अंत तक पूरा करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि इस माह के अंत तक कार्य पूरा नहीं करने वाली निर्माण एजेंसियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए और उन्हें ब्लैक लिस्टेड किया जाए।

कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने आज यहां कलेक्टर कार्यालय में प्रधानमंत्री जल जीवन मिशन के तहत चल रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक ली। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन, पीएचई के कार्यपालन यंत्री श्री एस.के. उदिया सहित योजना से जुड़े अधिकारी, सरपंच, ठेकेदार आदि मौजूद थे। बैठक में कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने ऐसी पंचायतें जिनमें अभी कुछ काम शेष है, उन पंचायतों में चल रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में बताया गया कि जिले में पिछले एक सप्ताह में 10 पंचायतों में जल जीवन मिशन का कार्य पूरा कर लिया गया है, शेष 42 पंचायतों में कुछ ही काम बचा है। कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए की शेष पंचायतों में बचे कार्यों को इस माह के अंत तक पूर्ण किया जाए। कार्य को पूर्ण करने के लिए दिन-प्रतिदिन की कार्य योजना बनाई जाए और प्रतिदिन प्रगति की समीक्षा की जाए। कार्यों में गुणवत्ता का ध्यान रखा जाए। योजना के क्रियान्वयन में लापरवाही तथा उदासीनता बरतने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक में बताया गया कि हर सप्ताह प्रधानमंत्री जल जीवन मिशन के तहत चल रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा की जा रही है। बैठक में जानकारी दी गई कि इंदौर जिले में जल जीवन मिशन के अंतर्गत 566 गांवों में हर घर में नल से जल पहुंचाने की योजना स्वीकृत की गई है। जिले में पूर्व से शत-प्रतिशत नल कनेक्शन वाले 29 ग्राम है। इस तरह जिले में कुल 595 ग्रामों में हर घर में नल से जल पहुंचाने की योजना है। जिले में अभी तक इसमें से 553 गांवों में नल जल योजना का कार्य पूर्ण हो गया है। उक्त सभी योजनाएं पंचायतों को हस्तांतरित कर दी गई है। शेष 42 ग्रामों में कार्य प्रगति पर है, इन शेष सभी पंचायतों में कार्य अतिशीघ्र पूर्ण कर संबंधित पंचायत को हस्तांतरित करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने संबंधित पंचायतों के सरपंचों को भी निर्देशित किया है कि वे पूर्ण योजना को शीघ्र हाथ में लेकर बेहतर संचालन सुनिश्चित करें। हर घर में नल से जल पहुंचाएं। इस कार्य में किसी भी तरह के लापरवाही नहीं बरती जाए।

देश के पहले कमांडर इन चीफ फील्ड मार्शल के. एम. करिअप्पा की स्मृति में मनाया गया सशस्त्र सेना वेटरन्स दिवस

इंदौर। इंदौर में आज देश के पहले कमांडर इन चीफ फील्ड मार्शल के.एम. करिअप्पा की स्मृति में सशस्त्र सेना वेटरन्स दिवस मनाया गया। सशस्त्र सेना वेटरन्स दिवस के अवसर पर जिला सैनिक कल्याण कार्यालय जयरामपुर कॉलोनी में सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

इस अवसर पर जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कमांडर नगेश चंद्र मालवीय ने बताया कि यह सशस्त्र सेना वेटरन्स दिवस भारतीय सेना के प्रथम कमांडर इन चीफ फील्ड मार्शल के. एम. करिअप्पा की महान सेवाओं की याद एवं वयोवृद्ध सेनानियों के सम्मान में मनाया जाता है। फील्ड मार्शल के.एम. करिअप्पा ने WW-II के दौरान ब्रिटिश रॉयल आर्मी में सेवा दी थी एवं देश के स्वतंत्र होने के बाद भारतीय सेना का नेतृत्व किया था। फील्ड मार्शल के.एम.

करिअप्पा ने भारत-पाक युद्ध सन् 1947 में भारतीय सेना को नेतृत्व करते हुए, युद्ध में देश को विजय दिलवाई थी। फील्ड मार्शल के.एम. करिअप्पा ने पूर्व सैनिकों के कल्याण एवं सहायतार्थ के लिए कई योजना चलाई थी। पूर्व सैनिकों के लिए पुनर्वास महानिदेशालय रक्षा मंत्रालय में उन्हीं के अथक परिश्रम से फलीभूत हुआ। फील्ड मार्शल के.एम. करिअप्पा 14 जनवरी 1953 में सेवानिवृत्त हुए थे। इस दिवस को सशस्त्र सेना वेटरन्स दिवस के रूप में मनाया जाता है।

इस अवसर पर जिला सैनिक कल्याण कार्यालय इंदौर द्वारा व्रद्ध-व्रद्ध कि विधवा सायरा बाई सहित अन्य वीरनारियों एवं वयोवृद्ध सैनिकों का शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया। देश एवं भारतीय सेना कि ओर से उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की गई। इस आयोजन में वरिष्ठ पूर्व अधिकारियों, पूर्व सैनिकों एवं उनके परिवारजनों ने भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में ऑनरेरी कैप्टन रघुवर दत्त शर्मा ने सभी पधारे आगंतुकों का धन्यवाद एवं आभार माना।

अभिनव कला समाज में खारीवाल अध्यक्ष एवं शास्त्री प्रधानमंत्री बने

इंदौर। संगीत, कला एवं संस्कृति के क्षेत्र की अग्रणी संस्था अभिनव कला समाज के त्रि-वार्षिक निर्वाचन में प्रवीण खारीवाल दोबारा अध्यक्ष एवं सत्यकाम शास्त्री प्रधानमंत्री चुने गए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी आलोक बाजपेयी एवं संयुक्त निर्वाचन अधिकारी पंकज क्षीरसागर ने बताया कि सर्वानुमति से हुए निर्वाचन में डॉ. पूर्वी निमगांवकर एवं पं. सुनील मसूरकर उपाध्यक्ष, रोहित अग्निहोत्री एवं आलोक बाजपेयी संक्युत प्रधानमंत्री, कमल कस्तूरी कोषाध्यक्ष, नरेन्द्र भाले प्रचार मंत्री, संतोष अग्निहोत्री कलाकार चयन समिति के संयोजक चुने गए। कार्यकारिणी में दिलीप मुंगी, बालकृष्ण सनेचा, सतीश फाल्के, राजेश पांड्या, नीतेश उपाध्याय, गोरधन लिम्बोदिया, सोनाली यादव, ज्योत्सना सोहनी एवं प्रियंका तिवारी को स्थान मिला। विशेष आमंत्रित सदस्यों में पुष्कर सोनी, अर्जुन नायक, बंसीलाल लालवानी एवं प्रमोद जैन को स्थान प्राप्त हुआ। साधारण सभा में अध्यक्ष प्रवीण खारीवाल ने विगत तीन वर्षों के कार्यकाल एवं विकास कार्यों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। संयुक्त प्रधानमंत्री सत्यकाम शास्त्री ने विगत 75 वर्षों की परंपरा का जिक्र करते हुए निर्वाचन सर्वानुमति से कराए जाने का प्रस्ताव रखा जिसे सदन ने सर्वानुमति से मान्य किया। अंत में कोषाध्यक्ष कमल कस्तूरी ने आभार व्यक्त किया।

जीतू यादव को बयान लेने के लिए ढूंढ रही एसआईटी

इंदौर। निष्कासित पार्षद जीतू उर्फ जितेंद्र यादव गायब हो गया है। विशेष जांच दल उसे बयान के लिए ढूंढ रही है। बयान के बहाने उसकी गिरफ्तारी हो सकती है। उधर पुलिस जीतू समर्थकों को गिरफ्तार कर रही है। मंगलवार को पार्षद कमलेश कालरा के घर हमले में शामिल दसवां आरोपित भी पकड़ा गया। एसआईटी प्रमुख एडिशनल डीसीपी जोन-4 आनंद यादव के मुताबिक पार्षद कमलेश कालरा घर और उनके बेटे पर हुए हमले में जीतू का नाम आया है।

आवाज के नमूने लेना चाहती है पुलिस- कालरा ने कुछ ऑडियो रिकॉर्डिंग भी पेश की है। पुलिस बयान और आवाज के नमूने लेना चाहती है। जीतू इसके पूर्व ही घर से गायब हो गया। उसका मोबाइल भी बंद आ रहा है। अंतिम लोकेशन दो दिन पूर्व की कुलकर्णी नगर की मिली है।

मोबाइल लोकेशन के आधार पर देवास से पकड़ा- मंगलवार को पुलिस ने मामले में नितिन उर्फ बंटी सुभाष भोरुड निवासी पार्क रोड वल्लभ नगर को भी गिरफ्तार कर लिया। बंटी फरार होकर तिरुपति बालाजी के दर्शन करने चला गया था।

मौसम ने दिखाए अनोखे रंग, बढ़ी सर्दी के बीच बारिश और मावठा के आसार

इंदौर में मंगलवार को मौसम में अचानक बदलाव देखने को मिला, जिससे ठंड के असर में कमी महसूस की गई। सोमवार को दिन का अधिकतम तापमान 19.5 डिग्री सेल्सियस था, जो मंगलवार को 4 डिग्री बढ़कर 23.7 डिग्री सेल्सियस (सामान्य से 3 डिग्री कम) हो गया। रात में भी ठंड का प्रभाव कुछ कम महसूस किया गया। सुबह हल्के कोहरे के कारण विजिबिलिटी 1100 मीटर रही। ठंडी हवाओं के चलते ठंड का असर बरकरार है। मौसम विभाग के अनुसार अगले 24 घंटों में मावठा गिरने के साथ हल्की बारिश की संभावना है। प्रदेश के कई जिलों के लिए मौसम विभाग ने अलर्ट भी जारी किया है। मकर संक्रांति के आसपास मौसम की ठंडक और बढ़ गई है। अनुमान है कि कोहरे के साथ मावठा गिर सकता है। वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) के प्रभाव से इंदौर और इसके आसपास के क्षेत्रों में बारिश की संभावना है। मौसम वैज्ञानिक प्रकाश धामले ने बताया कि 14 जनवरी से पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा, जिसका असर पूरे प्रदेश में दिखेगा। इसके बाद 17 जनवरी से ठंड में और इजाफा होने की संभावना है। तेज ठंडी हवाएं चल रही

सोमवार को इंदौर में सुबह से ही तेज ठंड का प्रभाव रहा। दोपहर में बादल छाने के साथ-साथ 14 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से ठंडी हवाओं ने ठिठुरन और बढ़ा दी। शाम तक ठंडी हवाओं का सिलसिला जारी रहा, जिससे सड़कों पर आवाजाही कम हो गई।

सड़क किनारे सोने वालों को सुरक्षित स्थान पहुंचा रहा प्रशासन- मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में ठंड और बारिश को लेकर सतर्क रहने की सलाह दी है। शीत लहर को देखते हुए कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देश पर रात में एसडीएम और तहसीलदारों ने अपने-अपने क्षेत्रों का निरीक्षण किया। फुटपाथ पर रहने वाले लोगों को रैन बसेरा और सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का इंतजाम किया गया। एसडीएम निधि वर्मा ने किला मैदान के फुटपाथ से एक पिता-पुत्र को सुरक्षित आश्रय स्थल तक पहुंचाया।

उपभोक्ता संरक्षण के क्षेत्र में काम करने वाली संस्थाओं/ संगठनों/ व्यक्तियों को किया जाएगा पुरस्कृत

इंदौर। प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी आगामी 15 मार्च को विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस मनाया जाएगा। इस अवसर पर राज्य और संभाग स्तर पर आयोजित समारोह में उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने और उपभोक्ता संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले स्वैच्छिक उपभोक्ता संगठनों, व्यक्तियों एवं छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करने के लिये पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। इसके लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। जिला आपूर्ति नियंत्रक श्री एम. एल. मारू ने बताया कि यह पुरस्कार संभाग और राज्य स्तर पर अलग-अलग प्रदान किये जाएंगे। पुरस्कार के इच्छुक संगठन और व्यक्तियों से राज्य एवं संभाग स्तरीय पुरस्कार के लिए अलग-अलग आवेदन मंगाये गए हैं। उन्होंने बताया कि उपभोक्ता संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली संस्था/व्यक्तियों को राज्य स्तरीय पुरस्कार दिया जायेगा। प्रथम पुरस्कार मय प्रशस्ति-पत्र एक लाख 11 हजार रुपये, ?द्वितीय पुरस्कार मय प्रशस्ति-पत्र 51 हजार रुपये और तृतीय पुरस्कार मय प्रशस्ति-पत्र 25 हजार रुपये का दिया जायेगा। इसी तरह संभाग स्तर पर भी उपभोक्ता संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले संगठन/व्यक्ति को पुरस्कार दिया जायेगा। प्रथम पुरस्कार मय प्रशस्ति-पत्र 21 हजार रुपये, ?द्वितीय पुरस्कार मय प्रशस्ति-पत्र 11 हजार रुपये और तृतीय पुरस्कार मय प्रशस्ति-पत्र 5 हजार रुपये का दिया जायेगा। राज्य स्तरीय एवं संभाग स्तरीय पुरस्कार के लिये ऐसे स्वैच्छिक उपभोक्ता संगठन व्यक्ति का चयन किया जायेगा, जो विशेष रूप से उपभोक्ता हित संरक्षण एवं संवर्धन में संलग्न हो। आवेदक संगठन व्यक्ति द्वारा एक प्रति में आवेदन के मुख्य पृष्ठ पर %राज्य स्तरीय पुरस्कार संभाग स्तरीय वर्ष 2024-25 हेतु% सुस्पष्ट रूप से लिखकर जिला आपूर्ति नियंत्रक अधिकारी को 23 जनवरी 2025 तक प्रस्तुत करना होगा। विलम्ब से प्रस्तुत आवेदन स्वीकार नहीं किये जायेंगे। संगठन तथा व्यक्ति द्वारा उपभोक्ता संरक्षण के क्षेत्र में कैलेण्डर वर्ष- 2024, एक जनवरी 2024 से 31 दिसंबर 2024 के दौरान प्रत्येक माह में की गई गतिविधियों की सप्रमाण विस्तृत विवरण रिपोर्ट संलग्न करना होगा।

मृत्युंजय महाकाल त्राहिमाम शरणागतः ,
जन्म मृत्यु जरा व्याधि पीड़ितो कर्म बंधनाह
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर प्रभु सभी को आरोग्यता प्रदान करें।

जिला अधिकारियों को अपने विभाग की 5 सबसे पुरानी शिकायतों का निराकरण आज प्रस्तुत करे- कलेक्टर

उज्जैन । कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह ने बुधवार सुबह समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक ली। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के निर्देशानुसार फरवरी से आयोजित होने वाले विक्रम व्यापार मेला-2025 में मोटर साइकिल, मोटरकार, निजी उपयोग हेतु हल्के वाहनो की बिक्री पर आजीवन मोटरयान कर की दर में 50 प्रतिशत छूट का निर्णय की जानकारी दी गई। बैठक में कान्ह क्लोज डक्ट परियोजना व सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी परियोजना के कार्यों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में विभिन्न शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन व निर्माणाधीन विकास कार्यों की समीक्षा कलेक्टर के द्वारा की गई। जिन विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि पूजन किया जाना है उनकी सूची तैयार करने के लिए कहा गया। मेडिसीटी के

निर्माण के दौरान शिफ्टिंग व खुदाई के कार्य तेजी से करने के निर्देश दिए।

बैठक में सीएम हेल्पलाईन व समाधान ऑनलाईन के लंबित प्रकरणों की समीक्षा नगरीय निकाय, जनपद, तहसील, जिला पंचायत व नगर निगम स्तर पर की गई। इसके पश्चात विभागवार समीक्षा की गई। समीक्षा के बाद पीओ डूडा श्री अरूण शर्मा को कलेक्टर श्री सिंह द्वारा सीएम हेल्पलाईन व समाधान ऑनलाईन के प्रकरणों के निराकरण में तेजी लाने के निर्देश दिए। विभागवार समीक्षा में खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभागों को निराकरण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

इसी के साथ कलेक्टर श्री सिंह ने सभी विभागों को अपने लक्ष्य समयावधि में प्राप्त करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने समाधान ऑनलाईन में 100 दिन से अधिक लंबित शिकायतों पर विशेष ध्यान देने एवं सभी विभागों के जिला अधिकारियों को अपने विभाग की 5 सबसे पुरानी शिकायतों पर शिकायतकर्ता से स्थिति स्पष्ट कर शिकायतों के निराकरण के 16 जनवरी तक प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रो में 70 एवं 70 प्लस के आयुष्मान कार्ड की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिये कि जिन वरिष्ठ जनों के आयुष्मान कार्ड नहीं बने है उनके कार्ड वोटर लिस्ट से मिलान कर शीघ्र अतिशीघ्र बनाये जाये। बैठक में राजस्व महाअभियान 3.0 अंतर्गत आरओआर से खसरा आधार लिकींग, फार्मर रजिस्ट्री, नकशो में बटांकन, सीमांकन आदि प्रकरणों को समयसीमा में पूर्ण किया जाये।

वर्षो से चली आ रही लंबित मॉगो को पूरा करवाने के लिए आज होगा प्रदर्शन

उज्जैन। म.प्र. अधिकारी कर्मचारी संयुक्त मोर्चा के आव्हान पर उज्जैन जिले के कर्मचारी वर्षो से चली आ रही लंबित मॉगो को पूरा करवाने के लिए 16 जनवरी को 1 बजे प्रशासनिक संकुल भवन कार्यालय कलेक्ट्रैट उज्जैन में प्रर्दशन कर मुख्यमंत्री एंव मुख्य सचिव के नाम ज्ञापन प्रर्दशन कर सौपेगें।

संयुक्त मोर्चा उज्जैन के संयोजक देवेन्द्र व्यास ने बताया कि मध्यप्रदेश के अधिकारी कर्मचारी लंबित मांगों के संबंध में शासन का ध्यान आकृष्ठ करते आ रहे है, किन्तु शासन की ओर से संवादहीनता की स्थिति बनी हुई है, इस कारण कर्मचारी वर्ग में असंतोष व्याप्त है। म.प्र. लिपिक वर्गीय शासकीय कर्मचारी संघ उज्जैन के अध्यक्ष चित्रेश वाघे ने बताया कि 46 सूत्रीय मांग पत्र में प्रमुख मांग अधिकारियों कर्मचारियों कि वर्ष 2016 से बंद पदोन्नति को प्रांरभ करना, लिपिक संवर्ग को मंत्रालय के समान समयमान वेतनमान प्रदान करना, गृह भाड़ा वाहन आदि भत्तो का पुनरीक्षण किया जाना, अनुकम्पा नियुक्ति लिपिक की नियुक्ति में सी.पी.सी.टी परीक्षा उत्तीर्ण करने की बाध्यता समाप्त करना, पुरानी पेंशन योजना की बहाली, देय तिथि से मंहगाई भत्ता दिया जाना व अवशेष रशि का भुगताना किया जाना, आयुष्मान भारत योजना लागु कि जाना, भृत्य का पद नाम एंव ग्रेड पे सुधार करना, प्रदेश के पेंशनरो को जनवरी 24 से मँहगाई राहत प्रदान कर अवशेष राशि का भुगतान किया जाना, पेशनरों के लिए राज्य पुर्नगठन की धारा 49(6) को विलोपित किया जाना आदि सम्मिलित है।

अधिकारी कर्मचारी संयुक्त मोर्चा में सम्मिलित मान्यता एंव गैर मान्यता प्राप्त संगठनो के अध्यक्ष जिसमें राज्य प्रशासनिक सेवा संघ, म.प्र. तहसीलदार संघ, म.प्र. न्यायिक कर्मचारी संघ, म.प्र लिपिकवर्गीय शासकीय कर्मचारी संघ, म.प्र. कर्मचारी कांग्रेस, म.प्र तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ, म.प्र लघु वेतन शासकीय कर्मचारी संघ, म.प्र अपाक्स संघ, म.प्र अजाक्स संघ, म.प्र प्रमुख पेंशनर एसोसिएशन, म.प्र. राज्य कर्मचारी संघ, म. प्र प्राध्यापक संघ, म. प्र शिक्षक संघ, म. प्र डिप्लोमा इंजीनियर एसोसिएशन, म.प्र राजस्व निरीक्षक संघ, म.प्र पटवारी संघ, म.प्र. शासकीय वाहन कर्मचारी संघ, म.प्र. पशु चिकित्सा अधिकारी संघ, म.प्र. शिक्षक कांग्रेस, म.प्र. आई. टी. आय. कर्मचारी संघ, सर्व शिक्षा अभियान इंजीनियर संघ, म.प्र. पंचायत सचिव संगठन, जन आरोग्य मित्र जन स्वास्थ्य रक्षक संघ ने अधिकारी कर्मचारियों से ज्ञापन आंदोलन में सम्मिलित होने कि अपील की है।

19 दिवसीय विश्वशांति महायज्ञ आरंभ

उज्जैन। शासकीय श्री कुचैरा भैरवनाथ मन्दिर, गढ़कालिका रोड़, उज्जैन पर आज 15 जनवरी '25 से 19 दिवसीय विश्वकल्याण महायज्ञ आरंभ होने जा रहा है। शासकीय पुजारी श्रीमती दुर्गा मंगल गेहलोत के अनुसार 15 जनवरी सोमवार को प्रातः 7 बजे प्रथम पूज्य देवता श्री गणेशजी एवं पश्चात श्री कुचैरा भैरवनाथजी के अभिषेक पूजन के साथ महायज्ञ अनुष्ठान का आरंभ हुआ तथा आवाहन पूजन (अभिषेक) पंचाकर्म हुआ।

15 जनवरी को यज्ञ की आहुति एवं अग्निस्थापना प्रातः 7 से 10 बजे तक होकर मुख्य यज्ञारंभ हुआ। इस 21 दिवसीय महायज्ञ अनुष्ठान की पुर्णाहुति 2 फरवरी 2025 रविवार को होगी।

महायज्ञ अनुष्ठान का मुख्य उद्देश्य - ''विश्वशांति का है। अनुष्ठान के अंतर्गत भैरवाष्टक का नियमित पाठ होगा।

टीसीएस बीपीएस ओपन कैंपस वॉक-इन ड्राइव 17 जनवरी शुक्रवार को BIPS में

उज्जैन । ये खबर उन विद्यार्थियों के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित होगी, जो किसी भी विषय में 2023 और 2024 बैच के पासआउट ग्रेजुएट्स हैं। देश के अग्रणी आईटी और बिजनेस प्रोसेसिंग सेवा प्रदाता, टीसीएस (टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज) द्वारा भारतीय ज्ञानपीठ परिसर, माधवनगर फ्रीगंज, उज्जैन में वॉक-इन ड्राइव का आयोजन 17 जनवरी सुबह 09 बजे से किया जा रहा है। यह ड्राइव युवाओं के करियर में नए अवसरों का द्वार खोलने का सुनहरा मौका साबित हो सकती है। अन्य किसी भी सहायता या जानकारी के लिए संपर्क करें - 7470707014। टीसीएस बीपीएस के साथ अपने करियर को नई ऊंचाई पर ले जाने का यह सुनहरा अवसर न चूकें!

टीसीएस बीपीएस ओपन कैंपस वॉक-इन ड्राइव के लिए पात्रता मापदंड - 2023 और 2024 बैच के समस्त पासआउट ग्रेजुएट्स इस रोमांचक ओपन कैंपस वॉक-इन ड्राइव में शामिल हो सकते हैं।

विद्यार्थी इन बातों का रखें विशेष ध्यान

जॉब रोल - बैंक ऑफिस ऑपरेशन्स में काम करने का सुनहरा अवसर

पात्रता मापदंड - केवल 2023 और 2024 बैच के समस्त पासआउट ग्रेजुएट्स

चयन प्रक्रिया - एप्टिट्यूड टेस्ट और साक्षात्कार (प्रत्येक स्तर को पार करने के बाद)

निरंकारी भक्तों ने भक्ति भाव से परिपूर्ण होकर मनाया भक्ति पर्व

परमात्मा से जुड़ाव ही सच्ची भक्ति का आधार, निरंकारी सतगुरु ने बताया भक्ति का मूल

उज्जैन। निरंकारी मिशन द्वारा समर्पित संत भक्तों की स्मृति में देशव्यापी भक्ति पर्व मनाया गया। इस उपलक्ष्य में उज्जैन के पंवासा, मक्सी रोड स्थित संत निरंकारी सत्संग भवन पर विशेष सत्संग आयोजित किया गया, जिसमें रतलाम से आए युवा निरंकारी प्रचारक संत श्री गंगवानी ने कहा कि भक्ति परमात्मा के तत्व को जानकर ही सार्थक रूप ले सकती है। निरंकारी मिशन का भी मूल सिद्धांत यही है कि सतगुरु से ब्रह्मानुभूति के बाद ही भक्ति शुरू होती है।

मीडिया सहायक विनोद गज्जर एवं मुखी त्रिलोक बेलानी ने बताया कि भक्ति पर्व पर अनेक वक्ताओं, कवियों और गीतकारों ने विभिन्न विद्याओं के माध्यम से गुरु महिमा और भक्ति का भावपूर्ण वर्णन किया। संतों की प्रेरणादायक शिक्षाओं नेत्र श्रद्धालुओं के जीवन को आध्यात्मिक दृष्टिकोण से समृद्ध

किया, वहीं समर्पित संत सन्तोख सिंह के अतिरिक्त अन्य संत भक्तों के तप, त्याग और ब्रह्मज्ञान के प्रचार-प्रसार में उनके अमूल्य योगदान को स्मरण किया गया और उनके जीवन से प्रेरणा ली गईं।

मुख्य आयोजन हरियाणा के समालखा स्थित निरंकारी आध्यात्मिक स्थल पर सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित जी के पावन सान्निध्य में हुआ, जिसमें श्रद्धा और भक्ति की अनुपम छटा देखने को मिली। देश-विदेश के हजारों श्रद्धालु इस दिव्य संत समागम में सम्मिलित हुए और सत्संग के माध्यम से आध्यात्मिक आनंद की दिव्य अनुभूति प्राप्त की।

समालखा में हुए भक्ति पर्व समागम में सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज ने कहा कि भक्ति वह अवस्था है, जो जीवन को दिव्यता और आनंद से भर देती है। यह न इच्छाओं का सौदा है, न स्वार्थ का माध्यम। सच्ची भक्ति का अर्थ है परमात्मा से गहरा जुड़ाव और निःस्वार्थ प्रेम। उन्होंने भक्ति की महिमा का उल्लेख करते हुए कहा कि ब्रह्मज्ञान भक्ति का आधार है। यह जीवन को उत्सव बना देता है। भक्ति का वास्तविक स्वरूप दिखावे से परे और स्वार्थ व लालच से मुक्त होना चाहिए। जैसे दूध में नींबू डालने से वह फट जाता है, वैसे ही भक्ति में लालच और स्वार्थ हो तो वह अपनी पवित्रता खो देती है।

सतगुरु माता जी ने उदाहरण देते हुए कहा कि भगवान हनुमान जी, मीराबाई और बुद्ध भगवान का भक्ति स्वरूप भले ही अलग था, लेकिन उनका मर्म एक ही था-परमात्मा से अटूट जुड़ाव। भक्ति सेवा, सुमिरन, सत्संग और गान जैसे अनेक रूपों में हो सकती है, लेकिन उसमें निःस्वार्थ प्रेम और समर्पण का भाव होना चाहिए। गृहस्थ जीवन में भी भक्ति संभव है, यदि हर कार्य में परमात्मा का आभास हो।

उज्जैन में अमृत महोत्सव आयोजित करने का हुआ निर्णय

उज्जैन । नामदेव समाज का प्रांतीय सम्मेलन नामदेव छीपा युवा संगठन के तत्वावधान में गांधी हॉल, इंदौर में राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर आयोजित किया गया जिसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों उज्जैन, इंदौर, भोपाल, अशोकनगर, गुना, मंदसौर, धार, नीमच, शाजापुर, आगर, देवास आदि से लगभग 125 प्रतिनिधियों व पदाधिकारियों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की।

प्रदेश संगठन महामंत्री अजय नामदेव के अनुसार सम्मेलन के आरंभ में संत शिरोमणि नामदेवजी महाराज व स्वामी विवेकानंदजी के चित्र पर माल्यार्पण कर समक्ष दीप प्रज्वलन किया गया। बड़ी संख्या में महिलाओं ने भी भागीदारी की। सम्मेलन में सर्वसम्मति से उज्जैन में अमृत महोत्सव आयोजित करने सहित अन्य निर्णय लिये गये।

प्रदेश अध्यक्ष सचिन नामदेव की अध्यक्षता में युवा संगठन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का स्वागत मनोज वर्मा, देवेन्द्र नामदेव, गणेश नामदेव ने किया। संरक्षक सोहन जाचपुरे ने संगठन की आगामी कार्ययोजना प्रस्तुत कर उज्जैन में रचनात्मक व कलात्मकता के साथ वृहद् स्तर पर होने वाले अमृत महोत्सव एवं परिचय सम्मेलन की रूपरेखा से अवगत कराया।कार्यक्रम का संचालन आशीष नामदेव व ओमप्रकाश बघेरवाल ने किया। आभार गणेश नामदेव ने माना।सम्मेलन में मुख्य रूप से ललित कुंजीवाल, धर्मेन्द्र अजमेरा, दयाशंकर ब्रग, बाबूलाल नामदेव, सुशील नामदेव, रंजन पंवार आदि उपस्थित रहे।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com